संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 219
पृष्ठ 8
बुधवार
30 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बार-बार सिर घूमना हो सकता है...

विचार- देश को भीतर से दरकाते देशभक्त

खेल- पहली गेंद पर छक्का लगाना...

बिना थके, बिना रुके, निरंतर जारी रहेगी उत्तर प्रदेश की सफल यात्रा : योगी

● आज पूरे देश के अंदर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट छाया हुआ है, यह स्वदेशी और स्वाभिमान का प्रतीक बन चुका है: योगी

● दंगा मुक्त, माफिया मुक्त, अपराध मुक्त, गुंडा मुक्त हुआ उत्तर प्रदेश, पर्यटकों के लिए बना ड्रीम डेस्टिनेशन : सीएम

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मजबूती के साथ सफलता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी। सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे का सबसे बड़ा नेटवर्क है। सर्वाधिक मेट्रो का संचालन उत्तर प्रदेश कर रहा है। रेलवे का सबसे बड़ा नेटवर्क यूपी के पास है। देश की पहली रैपिड रेल यूपी में चल रही है और देश का पहला इनलैंड वॉटरवेज यूपी में है। भारत सरकार द्वारा संचालित 45 से अधिक स्कीम को उत्तर प्रदेश लीड करता है। यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है और नया उत्तर प्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को जमीनी धरातल पर उतार कर अपने सामर्थ्य को देशवासियों के सामने रख रहा है। एक निजी टीवी चौनल के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जो 2017 में सातवीं अर्थव्यवस्था था, आज देश की नंबर दो अर्थव्यवस्था बन चुका है। 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी बनने के लिए उत्तर प्रदेश ने जो कदम बढ़ाए हैं उसको आगे बढ़ाते हुए हम मानकर चलते हैं कि 2029 में उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनेगा और उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है और देश का हृदय स्थल भी है। भारत की आत्मा उत्तर प्रदेश में निवास करती है, लेकिन जिन लोगों का एजेंडा विकास नहीं था, जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश की इस आत्मा को पहचानने का कभी प्रयास नहीं किया वह लोग उत्तर प्रदेश के बारे में अपने एजेंडे को जबरन उत्तर प्रदेश पर थोपते थे। इसके चलते उत्तर प्रदेश जो व्यापक संभावनाओं वाला प्रदेश था वह 2014 के पहले पहचान के संकट से गुजर रहा था। नौजवान पहचान के लिए मोहताज हो गया, अन्नदाता किसान आत्महत्या के लिए मजबूर हो गया, यहां का श्रमिक भुखमरी का शिकार हो गया, बेटी और व्यापारी दोनों की सुरक्षा में सेंध लग चुकी थी, पर्व और त्योहार दहशत के माहौल में मनाने को मजबूर होना पड़ता था। उत्तर प्रदेश की पहचान एक सामर्थ्यवान और असीम संभावनाओं वाले प्रदेश के रूप में नहीं बल्कि एक बीमारू राज्य के रूप में होने लगी। 2017 से पहले सत्ता का संचालन करने वाले लोग चाहते ही नहीं थे कि उत्तर प्रदेश का कुछ हो। वह हर एक मामले में स्कीम को फेल करने में अपनी पूरी ताकत लगा देते थे। केंद्र में जो स्कीम बनती थी वह उत्तर प्रदेश में आकर फेल हो जाती थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में जब प्रधानमंत्री मोदी जी के आह्वान पर उत्तर प्रदेश वासियों ने भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान किया और नई सरकार का गठन किया तब से प्रदेश की सफलता की यह यात्रा जारी है। हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में 56 लाख गरीबों के लिए एक-एक आवास बना चुकी है। यह जो गरीब हैं उनमें दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और अन्य जातियों के लोग भी हैं। हम उनको जातीय खेमों में नहीं बांटते। हमारे लिए वह हमारा नागरिक है और उसकी खुशहाली हमारी खुशहाली है। इस भाव के साथ प्रधानमंत्री मोदी जी के सबका साथ सबका विकास के मंत्र को लेकर हमने काम किया। इसके चलते लोगों के मन में विश्वास पैदा हुआ, जिसका परिणाम है कि हर सेक्टर में बदलाव देखने को मिल रहा है।

युवाओं को कौशल से सशक्त बनाकर भारत को वैश्विक नवाचार केन्द्र बनाना है : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार का प्रयास युवाओं को ऐसे कौशल से सशक्त बनाना है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करें। श्री मोदी ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में युग्म नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन के माध्यम से भारत की नवाचार क्षमता और 'डीप-टेक' में इसकी भूमिका को बढ़ाने के प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और मुंबई में कृत्रिम बुद्धिमत्ता , जैव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुपर हब के उद्घाटन का जिक्र किया। उन्होंने वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क के शुभारंभ का भी उल्लेख किया, जो राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। प्रधानमंत्री ने वाधवानी फाउंडेशन, प्रौद्योगिकी संस्थानों और इन पहलों में शामिल सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के माध्यम से देश की शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में रोमेश वाधवानी की समर्पण और सक्रिय भूमिका की भी विशेष सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में शिक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक शिक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, शिक्षण सामग्री और कक्षा एक से सात तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफार्मों के तहत एआई-आधारित और स्केलेबल डिजिटल शिक्षा अवसंरचना मंच – 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना' के निर्माण पर प्रकाश डाला, जिससे 30 से अधिक भारतीय भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा सकेंगी। श्री मोदी ने कहा कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क ने छात्रों के लिए एक साथ विविध विषयों का अध्ययन करना आसान बना दिया है, जिससे आधुनिक शिक्षा मिलती है और नए करियर के रास्ते खुलते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भारत के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया।

महबूबा ने शाह से कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बढ़ते तनाव के बीच केंद्र शासित प्रदेश के बाहर पढ़ रहे कश्मीरी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। सुश्री महबूबा ने कहा कि उन्हें देश भर के छात्रों से धमकी भरे कॉल मिल रहे हैं, जो मौजूदा स्थिति के कारण डर में जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहां कुछ शैक्षणिक संस्थानों ने परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं और छात्रों को सामान्य स्थिति बहाल होने तक घर लौटने की सलाह दी है, वहीं अन्य ने कक्षाएं जारी रखने का विकल्प चुना है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "मैं अमित शाह और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से हस्तक्षेप करने और सभी छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करती हूं, जब तक कि वे सुरक्षित रूप से घर नहीं लौट जाते। इसके अलावा, सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने वालों को एक कड़ा संदेश दिया जाना चाहिए। शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए ऐसी विभाजनकारी ताकतों की पहचान की जानी चाहिए और उनसे सख्ती से निपटा जाना चाहिए।" उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए नरसंहार में 26 नागरिक मारे गए थे, जिसके बाद कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें जम्मू-कश्मीर से बाहर पढ़ने वाले कश्मीरी छात्रों को परेशान किया गया और यहां तक घ्कि दक्षिणपंथी समूहों द्वारा धमकाया भी गया। धमकियों की इस लहर ने उनके माता-पिता को चिंतित कर दिया है, जिनमें से कई अपने बच्चों को घर वापस आने के लिए कह रहे हैं।

देश की सुरक्षा, संप्रभुता से जुड़ी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा : एचसी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह देश की सुरक्षा और संप्रभुता को प्रभावित करने वाली किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं करेगा, लेकिन संकेत दिया कि यह निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं को संबोधित कर सकता है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट को सड़कों पर चर्चा के लिए दस्तावेज नहीं बनाया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं करेगा लेकिन उसने संकेत दिया कि निजता के उल्लंघन की व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि तकनीकी समिति की रिपोर्ट को सड़कों पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, ''देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट को नहीं छुआ जाएगा लेकिन जो व्यक्ति यह जानना चाहते हैं कि उन्हें इसमें शामिल किया गया है या नहीं, उन्हें सूचित किया जा सकता है। हां, व्यक्तिगत आशंकाओं से निपटा जाना चाहिए लेकिन इसे सड़कों पर चर्चा का दस्तावेज नहीं बनाया जा सकता।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि उसे इस बात की भी समीक्षा करनी होगी कि तकनीकी पैनल की रिपोर्ट को व्यक्तियों के साथ किस हद तक साझा किया जा सकता है।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा ऐलान

पहलगाम हमले के मृतकों के परिवार को मिलेगा 50 लाख का मुआवजा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के छह लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपए देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए महाराष्ट्र के लोगों के परिजनों को नौकरी देगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कैबिनेट बैठक के दौरान आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित संतोष जगदाले की बेटी को सरकारी नौकरी दी जाएगी। यह कदम उन चर्चाओं के बाद उठाया गया है जिसमें सरकार ने पहले पीड़ित की बेटी को नौकरी देने का उल्लेख किया था; अब मुख्यमंत्री के विशेष प्राधिकरण के माध्यम से यह निर्णय लिया गया है। इससे पहले, जम्मू और कश्मीर (जे-के) सरकार ने भी मृतक पीड़ितों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की थी। जे-के के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "कोई भी राशि कभी भी प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करती है।" सीएमओ ने कहा, "पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है। पहलगाम में आतंकी हमला 22 अप्रैल को लोकप्रिय बैसरन मैदान पर हुआ था, जहाँ आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था, जिसमें देश भर से 25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे, जबकि कई अन्य घायल हो गए थे। हमले पर कार्रवाई करते हुए, भारत सरकार ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया, द्विपक्षीय संबंधों को कम कर दिया और अटारी चेकपोस्ट को बंद कर दिया, क्योंकि उसने इस बेशर्म हमले पर इस्लामाबाद को जवाब दिया।

असम में पाकिस्तान का समर्थन करने पर 27 लोग गिरफ्तार, एक विधायक भी शामिल

दिसपुर, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत में रहकर पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में राज्य में अब तक कम से कम 27 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शर्मा ने बताया कि गिरफ्तारियों की यह संख्या सोमवार रात तक की है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, अब तक 27 देशद्रोही पकड़े गए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) विधायक अमीन-उल-इस्लाम भी शामिल हैं, जिन पर पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का कथित रूप से बचाव करने के लिए राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को शर्मा ने कहा था कि यदि आवश्यक हुआ तो गिरफ्तार लोगों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के प्रावधान भी लगाए जाएंगे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, भारत और पाकिस्तान के बीच कोई समानता नहीं है। दोनों देश दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए।

खरगे-राहुल ने संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए मोदी को लिखा पत्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले के कारण उपजी स्थिति पर विचार विमर्श के लिए संसद का

विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है। कांग्रेस अध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को सोमवार को लिखे अलग- अलग पत्र में कहा है कि यह वक्त देश की एकजुटता को प्रदर्शित करने का है इसलिए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाकर यह कड़ा संदेश देना आवश्यक है कि देश संकट की घड़ी में एकजुट है। पार्टी ने दोनों पत्र मंगलवार को मीडिया के लिए जारी किए हैं। श्री खरगे कहा "इस समय जब एकता और एकजुटता बहुत जरूरी है, विपक्ष का मानना घ्है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाना जरूरी है। यह 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए क्रूर आतंकी हमले से निपटने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प और इच्छाशक्ति का एक शक्तिशाली प्रदर्शन होगा। हमारी हार्दिक आशा है कि सत्र तदनुसार बुलाया जाएगा।" श्री गांधी ने लिखा "पहलगाम में हुए आतंकी हमले से हर भारतीय क्षुब्ध है। इस नाजुक समय में देश को यह दिखाना होगा कि हम आतंकवाद के खिलाफ हमेशा एकजुट रहेंगे। विपक्ष का मानना घ्है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए, जहां इस हमले के खिलाफ जनप्रतिनिधि अपनी एकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन कर सकें।"

कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं... गुलाम नबी आज़ाद का बड़ा बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले पर डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने बड़ा बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि पहले लोग सिर्फ़ तभी सड़कों पर उतरते थे जब विरोध प्रदर्शन नेताओं द्वारा प्रायोजित होते थे। मैंने पहली बार लोगों को पहल करते और सड़कों पर उतरते देखा। उन्होंने कहा कि लोगों ने धार्मिक स्थलों पर हुए आतंकी हमले की निंदा की। मैंने पहली बार कश्मीर में मुसलमानों के बीच इतना आतंकवाद विरोधी माहौल देखा है। अगर मीडिया ने विरोध प्रदर्शनों को ठीक से कवर किया होता तो पाकिस्तान को अच्छा जवाब मिलता। गुलाम नबी आज़ाद ने कहा कि कश्मीरियों के दिलों में पाकिस्तान के लिए कोई हमदर्दी नहीं है। इससे पहले गुलाम नबी आजाद ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की थी।

पहलगाम आतंकी हमला, गृह मंत्रालय में उच्च स्तरीय बैठक

जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर गहन आतंकवाद विरोधी अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में गृह मंत्रालय में एक उच्च स्तरीय बैठक चल रही है। बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, सीमा सुरक्षा बल, असम राइफल्स और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के महानिदेशकों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों समेत कई उच्च पदस्थ अधिकारी मौजूद थे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा चिंताओं के बीच यह घटनाक्रम सामने आया है। इस

हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि जवाब में जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर गहन आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, चल रहे अभियान की संवेदनशीलता के कारण इस समय कोई विशेष अपडेट साझा नहीं किया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने की छापेमारी इससे पहले सोमवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने और आतंकी गतिविधियों से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए डोडा जिले में 13 जगहों पर छापेमारी की थी। श्रीनगर पुलिस ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामलों की जांच को आगे बढ़ाते हुए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और आतंकवादी सहयोगियों के आवासों पर शहर भर में कई स्थानों पर व्यापक तलाशी ली।

संदिग्ध अवस्था में दूसरी मंजिल से गिरी युवती, हालत नाजुक

प्रयागराज। शाहगंज थाना क्षेत्र के राजा रीवां का हाता में सोमवार की देर शाम एक युवती संदिग्ध अवस्था में दूसरी मंजिल से गिर गई। गंभीरवास्था में उसे एसआरएन अस्पताल भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि युवती अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। पुलिस के अनुसार शरद गुप्ता के मकान में निर्माणाधीन दूसरी मंजिल पर छत की शंटरिंग का काम चल रहा है। शरद गुप्ता की बेटी 26 वर्षीय शिवानी गुप्ता सोमवार की शाम पुत्री शरद गुप्ता सोमवार शाम अचानक दूसरे मंजिल से नीचे गिर गई। आनन–फानन में परिजन समीप अस्पताल ले गए, जहां हालत नाजुक देखकर डाक्टरों ने उसे एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस का कहना है कि मकान निर्माण को लेकर शटरिंग के लिए लगाए गए पटरे पर वह खड़ी थी। अचानक गिर गई। अभी वह बोलने की स्थिति में नहीं है। उसका बयान लेने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि वह कैसे गिरी। परिजनों ने अभी तक तहरीर नहीं दी है।

टीबी अस्पताल से हटा दी गयीं फेंकी गयीं दवाएं

प्रयागराज। तेलियरगंज स्थित टीबी अस्पताल परिसर में जिस स्थान पर जीवन रक्षक एक्सपायर दवाएं फेंकी गयी थीं, सोमवार को वहां से हटा दी गयीं। इस बारे में आपके अपने अखबार में सोमवार को जीवन रक्षक दवाओं ने 'दम तोड़ा शीर्षक से खबर प्रकाशित की गयी थी। संबंधित एक्सपायर दवाएं हटाकर किस जगह नष्ट कर दी गयीं। इसकी जानकारी अस्पताल प्रशासन को भी नहीं है। इसलिए दवाओं के बैच नंबर की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि लाखों रुपये की संबंधित दवाएं किस अस्पताल में मरीजों के लिए उप्र सरकार की ओर से भेजी गयी थीं। अस्पताल के अंदर स्थित धोबी घाट के पास मेरोपेनम इंजेक्शन आईपी–1000 एमजी बैच नंबर एमएमयू–114 और डी–0032316सी दवाएं फेंकी गयीं थीं।

एक ट्रिलियन इकोनॉमी के लिए पर्यटन नीति में शामिल हुई 33 श्रेणियां

प्रयागराज। उप्र पर्यटन नीति–2022 के प्रचार–प्रसार के लिए सोमवार को प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम प्रयागराज सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय से वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़े। प्रमुख सचिव ने कहा कि नीति के जरिए एक ट्रिलियन इकोनॉमी को साधने के लिए कुल 33 श्रेणियों को शामिल किया गया है। प्रमुख सचिव ने खासतौर से महाकुम्भ के बाद धार्मिक व आध्यात्मिक पर्यटन और अधिक बढ़ने की उम्मीद जताई है। खास यह कि इसमें शामिल होने के लिए कार्यालय की ओर से होटल इंडस्ट्री व उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया था। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह ने बताया कि उद्यमी नीति के अंतर्गत लाभ पाने के लिए अपनी इकाई का रजिस्ट्रेशन उप्र पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर कर सकते हैं।

नेतृत्व केवल निर्देश देने का नाम नहीं: मेजर जनरल यशपाल

प्रयागराज। एमएनएनआईटी में तीन दिनी महोत्सव 'उद्भव 2.0 का आयोजन हुआ। मेजर जनरल यशपाल सिंह मोर ने सैन्य अनुभवों के आधार पर छात्रों को नेतृत्व के वास्तविक अर्थ से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व केवल निर्देश देने का नाम नहीं है, बल्कि स्वयं उदाहरण प्रस्तुत कर प्रेरित करने की प्रक्रिया है। उन्होंने धैर्य, अनुशासन और निर्णायकता को एक प्रभावी नेता के मुख्य गुण बताया। उन्होंने कहा कि अनिश्चितताओं और संकटों के समय एक सच्चे नेता का धैर्य और दूरदर्शिता ही उसे अलग पहचान देती है। गजेन्द्र पुरोहित ने छात्रों ने कहा कि आज का युग तेजी से बदल रहा है, जहां तकनीकी प्रगति के साथ अनगिनत अवसर उत्पन्न हो रहे हैं, लेकिन उनमें सफलता पाने के लिए दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास और जोखिम उठाने की क्षमता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने नवाचार, उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता को करियर निर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभों के रूप में प्रस्तुत किया। साइबर आर्क में साल्यूशन इंजीनियर सुमित राजन

दुपहिया वाहन खरीद पर मुफ्त मिलेगा हेलमेट

मुजफ्फरनगरसमुजफ्फरनगर में दुपहिया वाहन खरीद पर ग्राहकों को मुफ्त मिलेगा हेलमेट, आरटीओ ने जारी किए निर्देश मुजफ्फरनगर। सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने दुपहिया वाहन डीलरों के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अब प्रत्येक दुपहिया वाहन विक्रेता को वाहन बेचते समय ग्राहक को अनिवार्य रूप से एक ठप मानक प्रमाणित हेलमेट मुफ्त में प्रदान करना होगा।यह निर्देश परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के कार्यालय पत्र संख्या 251 स०सु०/2025–05 स०सु०/2019–25 दिनांक 25 अप्रैल 2025 के तहत जारी किए गए हैं। यह पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक (दिनांक 01 जनवरी 2025 और 02 मार्च 2025) में लिए गए निर्णयों के अनुपालन में जारी किया गया है।जनपद के सभी दुपहिया वाहन डीलर दोपहिया वाहन विक्रय के समय कम से कम एक ठप प्रमाणित हेलमेट निःशुल्क प्रदान करें। प्रत्येक डीलर के शोरूम में 'ठप बंतम ।चच' का डिस्प्ले करना अनिवार्य होगा ताकि ग्राहक हेलमेट की गुणवत्ता सत्यापित कर सकें। डीलरों को 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक बेचे गए दोपहिया वाहनों के साथ दिए गए हेलमेट का प्रमाण पत्र तैयार कर तीन दिवस के भीतर आरटीओ कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। डीलरों को भविष्य मेंभी प्रत्येक माह के अंत में मासिक रिपोर्ट बनाकर यह प्रमाणित करना होगा कि प्रत्येक ग्राहक को ठप मानक का हेलमेट प्रदान किया गया है। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि इन निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गांव की पगडंडी से भी बदतर शहर की गली

प्रयागराज। शहर की पॉश कॉलोनी से लगी एक गली अगर पिछले पंद्रह वर्षों से इंटरलाकिंग का इंतजार कर रही हो तो व्यवस्था पर सवाल उठना लाजमी है। प्रीतमनगर और अबूबकरपुर के मुख्य मार्ग के बीच स्थित इस गली की करीब डेढ़ सौ की आबादी डेढ़ दशक से कच्ची और बदहाल गली का दंश झेल रही है। इस गली से लगी आसपास की कॉलोनी में तमाम सुविधाओं को देख यहां के लोगों को लगता ही नहीं कि वह शहर के बाशिंदे हैं। कहते हैं इससे अच्छी तो गांव की गलियां हैं जहां गाड़ियां दी गई। उस दौरान कहा गया था कि जल्द ही गली में इंटरलाकिंग कर दी जाएगी लेकिन समय बीतता गया और लोग इंटरलाकिंग का इंतजार ही करते रह गए। इस गली में रहने वाले लोगों के लिए पूरे वर्ष आवागमन की समस्या बनी ही रहती है, बारिश में हालत यह हो जाती है कि घर से बाहर कैसे निकलें। जरा सी बारिश होने पर गली में पानी भर जाता है। कीचड़ और गंदे पानी से होकर बच्चों को स्कूल जाना पड़ता है। बारिश में लोग गिरकर चोटिल होते हैं, व्यवस्था को कोसते हैं और सब कुछ न घुस जाए इसलिए अपने घरों के सामने लोगों ने मिट्टी डाल कर उंचा कर लिया है जिससे गली और संकरी हो गई हैं। इस गली के करीब बीस से अधिक घरों के डेढ़ से दो सौ लोग इन समस्याओं से परेशान हैं लेकिन उनकी समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है।

गली में नहीं लगा बिजली का पोल

इस गली में न तो स्ट्रीट लाइट लगी है न ही बिजली का पोल लगा है। मुख्य मार्ग पर लगे बिजली के पोल से लोगों ने केबल खींच कर कनेक्शन ले रखा है। बिजली के तार दूर से खींचे जाने के कारण खतरनाक तरीके से लटके हुए हैं। कुछ लोगों के बारजों से भी होकर तार दौड़ रहे हैं जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। यहा बिजली का पोल और स्ट्रीट लाइट की सख्त जरूरत बताई जा रही है।

पेयजल आपूर्ति के लिए नहीं बिछी पाइप लाइन

गली में रह रहे करीब डेढ़ दर्जन घरों के लोगों को पेयजल के लिए अपनी व्यवस्था खुद करनी पड़ी है। यहां पेयजल के लिए पाइप लाइन तक नहीं बिछाई गई है। लोग मेन लाइन से अपने खर्च पर पाइप डाल कर काम चला रहे हैं और सभी करों सहित जल कर एवं जल मूल्य की बराबर अदायगी करते आ रहे हैं। लोग चाहते हैं कि विभागीय स्तर पर उन्हें पाइप लाइन डाल कर पानी की आपूर्ति की जाए जिससे लो प्रेशर एवं पानी की समस्या न हो।

अतिक्रमण से गली हो गई संकरी

तमाम समस्याओं के बीच यहा अतिक्रमण भी एक बड़ी समस्या है। अतिक्रमण के कारण गली बेहद संकरी हो गई है। लोगों ने अपने घरों के आगे मिट्टी–मलबा आदि डाल कर ऊंचा कर लिया है। गली में वाहन और ठेले खड़े रहते हैं जिससे गली का आधा भाग अवरुद्ध हो गया है। चूंकी अतिक्रमण करने वाले और इस समस्या से प्रभावित होने वाले दोनों पक्ष यहीं के हैं इसलिए इस पर कोई बात नहीं होती।

कच्ची गली के कारण आने जाने में काफी परेशानी होती है। रात में गिरकर चोट लगने का भी डर बना रहता है।–मीना देवी

कई साल पहले यहां से खड़ंजा निकाल लिया गया, उसके बाद से गली ऐसे ही पड़ी है। आने जाने में परेशानी होती है।–ऊष्मा देवी

पन्द्रह साल से इस समस्या से जूझ रहें हैं। लोग इंटरलाकिंग की मांग कर रहे हैं। शिकायत के बावजूद कोई पहल नहीं हो रही है।–महेश प्रजापति

पूरे साल लोगों को इस समस्या से जूझना पड़ता है, बारिश में समस्या जटिल हो जाती है। गली में गंदा पानी भर जाता है।–किशोर कुशवाहा

गली में बिजली का पोल न होने के कारण लोगों को सड़क पर लगे खंभे से केबल खींचकर बिजली लेनी पड़ रही है।–अंकुश प्रजापति

गली की हालत बदहाल है, सीवर लाइन जाम होने से पानी ओवरफ्लो कर गली में आ जाता है। बारिश में निकलना मुश्किल हो जाता है।–मोनिता

यहां नाली न होने से गली में बारिश एवं सीवर का गंदा पानी भर जाता है। गली में नाली बने तो बारिश का पानी निकल जाए।–रंजीत

जरा सी बारिश होने पर गली में पानी भर जाता है, जो कई दिनों तक नहीं निकल पाता। इसी गंदे पानी और कीचड़ से गुजरना पड़ता है।–सोनी देवी

यहां के लोग सभी कर अदा करते हैं लेकिन सुविधा के नाम पर यह हाल है कि लगातार मांग के बावजूद गली में इंटरलाकिंग तक नहीं हो सकी है।–गीता भारतीया

लगता ही नहीं कि हम लोग शहर में रहते हैं, इससे अच्छी तो गांव की गलियां हैं जो आरसीसी और इंटरलाकिंग के कारण बेहतर हो गई हैं।–अनीता देवी

करीब दो सौ लोग इस समस्या से प्रभावित हैं, कई बार शिकायत की गई लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। बस किसी तरह गली बन जाए।–गीता देवी

गली में पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है। पानी के लिए लोगों ने खुद अपने खर्च पर मेन लाइन से कनेक्शन लिया है तब कहीं जाकर काम चल पा रहा है।–गणेश प्रजापति

सीवर लाइन चोक है और सीवर का ढलान ठीक नहीं है। सीवर का पानी ओवरफ्लो कर दरवाजे तक आ जाता है। गंदगी और दुर्गंध से लोग परेशान रहते हैं।–संगीता देवी

इंटरलाकिंग न किए जाने से हम लोग परेशान हैं। बच्चे न तो खेल पाते हैं न साइकिल चला पाते हैं। कच्चे रास्ते पर गिरकर चोट लगने का डर बना रहता है।–सीमा देवी

टूटे फूटे कच्चे रास्ते से आने जाने में काफी दिक्कत होती है। स्ट्रीट लाइट न होने से दिक्कत बढ़ जाती है। अंधेरे में गिरकर चोटिल होने का भय बना रहता है।–विकास

अधिकारी और जनप्रतिनिधि ध्यान दें तो समस्या का तुरंत समाधान हो जाए लेकिन न अधिकारी इसे लेकर गंभीर हैं न जनप्रतिनिधि, जिससे समस्या बनी हुई है।–लालचन्द्र यादव एडवोकेट

जाम सीवर लाइन और इंटरलाकिंग की समस्या दूर हो जाए तो यहां के लोगों को काफी राहत मिल सकती है। जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान दें तो समस्या का निदान हो जाए।–सुभाष मौर्य

पन्द्रह वर्ष से अधिक हो गए हम लोगों को इंटरलाकिंग का इंतजार करते, लेकिन इंतजार खत्म नहीं हुआ। कई वर्ष से हम लोग इस समस्या से परेशान हैं। हमारे यहां कई वर्षों से कार्य नहीं हो पाया था , जहां भी शिकायतें मिल रही हैं वहां कार्य कराया जा रहा है। इंटरलॉकिंग के लिए लोग संपर्क करें, शीघ्र इंटरलॉकिंग करा दी जाएगी। रिया केसरवानी पार्षद, वार्ड संख्या 49, ट्रांसपोर्ट नगर

इंटरलॉकिंग की समस्या के लिए वहां के प्रभावित लोगों ने लिखित रूप से शिकायत नहीं की होगी, इस कारण कार्य नहीं हो पाया होगा। लोग नगर आयुक्त कार्यालय में लिखित रूप से शिकायत करें तो समस्या का समाधान तत्काल हो जाएगा। ज्ञान चंद्र मौर्य, अवर अभियंता

1. गली में इंटरलाकिंग न होने से कच्चे रास्ते से होकर आना जाना पड़ रहा है।
2. जल निकासी के लिए नालियां न बनाए जाने से गली में पानी भर जाता है।
3. सीवर लाइन जाम होने से गंदा पानी ओवरफ्लो कर दरवाजे तक आ जाता है।
4. पानी आपूर्ति के लिए पाइप लाइन नहीं बिछाई गई है।
5. गली में स्ट्रीट लाइट का अभाव है, बिजली का पोल भी नहीं लगा है।
6. गली को समतल कर पूरी गली में इंटरलाकिंग की जाए।
7. गली के दोनों तरफ निकासी के लिए नालियां बने।
8. जाम सीवर लाइनों की सफाई के साथ चौम्बरों का भी उचित रखरखाव हो।
9. पेयजल की आपूर्ति के लिए पाइप लाइन बिछाकर उससे आपूर्ति की जाए।
10. गली में बिजली के पोल लगें और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था हो।

प्रयागराज डबल मर्डर: घर में दो बार आया कातिल, दो घंटे तक खेलता रहा खूनी खेल, अरुण ने आखिरी बार इनसे की थी बात

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी में इलेक्ट्रीशियन बनकर एक बदमाश घर में घुस गया। बदमाश ने बुजुर्ग दंपती को मौत के घाट उतार दिया। आरोपी सीसीटीवी में कैद हो गया। मृतक अरुण कुमार टीसीआई कंपनी से सेवानिवृत्त हुए थे।

प्रयागराज के नैनी की एडीए कॉलोनी में ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) कंपनी से सेवानिवृत्त अधिकारी और उनकी पत्नी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी घर में दो बार आया और दो घंटे तक खूनी खेल खेलता रहा। हत्या की सूचना पर डीसीपी यमुनानगर, एसीपी करछना और नैनी पुलिस के साथ फॉरेंसिक टीम ने छानबीन की। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालना शुरू किया। इस दौरान घर के सामने लगे एक सीसीटीवी कैमरे में मुंह में गमछा बांधे आरोपी की हरकत कैद हो गई।

जांच में पता चला है कि आरोपी इलेक्ट्रीशियन बिजली कनेक्शन जोड़ने के लिए अरुण के घर में आया था। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि आरोपी पहली बार सोमवार सुबह 11रू48 बजे घर में प्रवेश किया। थोड़ी देर बाद चला गया। वह करीब 1रू30 बजे दोबारा आया और 3रू30 बजे मुंह पर कपड़ा बांधकर बाहर निकला। वहीं, वारदात के कुछ ही घंटे बाद ही पुलिस ने त्रिवेणी नगर मोहल्ले में रहने वाले एक इलेक्ट्रीशियन के साथ दो अन्य युवकों को थाने ले गई है। पूछताछ के लिए पकड़े गए युवक बिजली मिस्त्री हैं। नैनी एडीए कॉलोनी निवासी अरुण श्रीवास्तव (66) और पत्नी मीना श्रीवास्तव (60) की मौत की सूचना पर परिवार व रिश्तेदार एसआरएन अस्पताल के ट्रामा सेंटर पहुंचे। जहां, बहन सुधा दोपहर में भाई से फोन पर हुई बातचीत की बात को याद कर फूट फूटकर रोने लगीं। बहन सुधा ने बताया कि सोमवार दोपहर 1रू11 बजे उन्होंने भाई अरुण के पास फोन किया था। दोनों के बीच करीब आधे घंटे तक घर गृहस्थी से जुड़ी बातें हुई थीं। पीछे से उनकी भाभी भी बीच बीच में बोल रहीं थीं। उसके बाद करीब चार बजे उनके पास एक रिश्तेदार ने फोन कर घटना की जानकारी दी।

चार भाई, लेकिन सभी का परिवार रहता है अलग अलग जगह

भतीजे इशान ने बताया कि उनके पिता लोग चार भाई थे, जिसमें से अरुण सबसे बड़े थे। इनसे छोटे भाई का परिवार दिल्ली में रहता है, तीसरे नंबर पर उनके पिता थे, जिनकी मौत हो चुकी है। वह लोग खुल्दाबाद के काला डांडा में रहते हैं। जबकि उनके पिता के सबसे छोटे भाई अपना परिवार लेकर रीवा में रहते हैं।

नैनी में इलेक्ट्रीशियन बन घर में घुसा बदमाश, बुजुर्ग दंपती को उतारा मौत के घाट

प्रयागराज के नैनी की एडीए कॉलोनी में ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (टीसीआई) कंपनी से सेवानिवृत्त अधिकारी अरुण कुमार श्रीवास्तव (66) और उनकी पत्नी मीना श्रीवास्तव (60) की घर में घुसकर दिनदहाड़े धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गई। प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया कि घर में बिजली का काम करने आए इलेक्ट्रीशियन ने वारदात को अंजाम दिया है। मामले में पुलिस को सीसीटीवी फुटेज भी मिला है, जिसमें नकाबपोश आरोपी घर के बाहर जाते दिख रहा है। आशंका है कि लूटपाट को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस के अनुसार, अरुण कुमार श्रीवास्तव टीसीआई कंपनी से सेवानिवृत्त थे। वह पत्नी मीना श्रीवास्तव के साथ नैनी की एडीए कॉलोनी में पिछले कई वर्षों से रहते थे। उनकी तीन बेटियां और एक बेटा है। सभी बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि बेटा मनीष मध्य प्रदेश के रीवा शहर में भारतीय स्टेट बैंक में कार्यरत है।

कार सवार वृद्ध को सड़क किनारे फेंक कर हुए फरार, गांव मे सनसनी

मोरना। कार सवारों ने वृद्ध को कार से बाहर फेंक दिया। ओर मौके से फरार हो गये। बेहोश वृद्ध को देख गांव खेड़ी फिरोजाबाद में सनसनी फैल गई।घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस घटना की जांच मे जुट गयी है। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव खेड़ी फिरोजाबाद में घटना उस समय सामने आई जब खेतों में गेहूं काट रहे किसानों ने एक कार को रुकते और एक घायल व्यक्ति को गिराते हुए देखा। ग्रामीण तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को बेसुध हालत में पाया। सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को प्राथमिक उपचार के लिए भिजवाया और अज्ञात हमलावरों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। ग्रामीणों में घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं व्याप्त है।

पुरातन छात्रा सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ में आज दिनांक 29.04.2025 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ पुरातन छात्रा सम्मेलन का भव्यायोजन किया गया जिसमें विभिन्न वर्षों की अनेक पूर्व छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो0 (डॉ0) अंजू सिंह द्वारा मां शारदे पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय की वर्तमान छात्राओं ने पुरातन छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया। तत्पश्चात पुरातन छात्राओं ने अपने विद्यार्थी जीवन के अनुभवों से लेकर अब तक की अपनी उपलब्धियों और सफलताओं के अनुभव सभी के साथ साझा किये। महाविद्यालय की अनेक पूर्व छात्राएं उच्च पदों पर आसीन होकर महाविद्यालय का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने प्राध्यापकों के सहयोगात्मक व्यवहार की सराहना करते हुए महाविद्यालय में हुए

बदलावों को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। छात्राओं ने बताया कि उनके समय में वे सुविधाएं नहीं थीं जितनी आज हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय से मिली शिक्षा ने हमें चुनौतियों को स्वीकारना और हर परिस्थिति में आगे बढ़ाना सिखाया है। अपने अनुभव साझा करने के उपरांत छात्राओ की मंत्र मुग्ध कर देने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को ऊर्जा से भर दिया ।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रो0 सुधा रानी सिंह, डी0 लिट्0, प्रभारी पुरातन छात्रा सम्मेलन द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन पुरातन छात्राओं के साथ ही वर्तमान छात्राओं के लिए भी प्रेरणादायी सिद्ध हुआ है। इस सम्मेलन का उद्देश्य पुरातन छात्राओं को महाविद्यालय से जोड़े रखना, वर्तमान छात्राओं के बीच सशक्त संबंध स्थापित करना और पुरातन छात्राओं के अनुभवों से वर्तमान छात्राओं को प्रेरित करना होता है। महाविद्यालय से इनका लगाव और जुड़ाव हमें गौरवान्वित करता है। प्राचार्य महोदया ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुरातन छात्राएं महाविद्यालय की महत्वपूर्ण इकाई होती हैं। पुरातन छात्रा सम्मेलन एकजुटता, प्रेरणा, भावनाओं, स्मृतियों और नए अवसरों का संगम होता है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

सादगी से भरे किसान नेता हैं चौधरी नरेश टिकैत... कमल मित्तल

मुजफ्फरनगर। बालियान खाप के चौधरी एवं भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत को किसी से राष्ट्र प्रेम का प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता नहीं है, चौधरी नरेश टिकैत में राष्ट्रभक्ति कूट–कूट कर भरी है।चौधरी नरेश टिकैत के साथ पिछले लगभग 40 वर्षों से मेरा बहुत नजदीकी और प्यारा संबंध रहा है। मैंने एक मित्र के रूप में, बड़े भाई के रूप में,

बालियान खाप के चौधरी के रूप में और भारतीय किसान यूनियन के मुखिया के रूप में चौधरी नरेश टिकैत को हमेशा समाजिक कार्यों का सफलतापूर्वक नेतृत्व करते हुए देखा है। चौधरी नरेश टिकैत को मैंने कभी किसी सामाजिक फेसले में न तो पक्षपात करते हुए देखा है और न हीं फैसलों से बचते हुए देखा है। प्रतिदिन लगभग 16 घंटे सामाजिक कार्यों में व्यतीत करने के बाद कोई भी व्यक्ति थकान का अनुभव करता है लेकिन चौधरी नरेश टिकैत एक अलग स्फूर्ति के साथ लोगों के बीच रहकर अपना दायित्व निभाते रहते हैं। हमारे कुछ पत्रकार साथी उन्हें अपनी बातों में उलझाकर कभी कभी जो कहलवाना चाहते हैं वह कहलवा लेते हैं। यह सब कुछ चौधरी नरेश टिकैत की सादगी के साथ खिलवाड़ जैसा है। हमें चौधरी नरेश टिकैत को एक खाप चौधरी एवं सादगी से भरे किसान नेता के रूप में ही देखना चाहिए।

खानम आर्ट गैलरी में मास्टरशेफ (पाक-कला) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

प्रयागराज। खानम आर्ट गैलरी करेली प्रयागराज में कल मास्टरशेफ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया और अपनी पाककला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में भारतीय, चीनी और पारंपरिक व्यंजनों की एक

विस्तृत श्रृंखला प्रस्तुत की गई, जो देखने में अत्यंत सुंदर और स्वाद में लाजवाब थीं। प्रतियोगिता के दौरान, सभी प्रतिभागियों ने अपने व्यंजनों को बनाने में बहुत मेहनत की और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जजों ने आनंद लेते हुए हर व्यंजन का स्वाद लिया और बच्चों को आशीर्वाद दिया। गैलरी की निदेशक डॉ. ज़ाहेदा खानम ने बच्चों को उनके आने वाले भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जजिंग में पूरा सहयोग किया। फ़ातमी इकबाल और सबा बानो जजिंग के लिए उपस्थित रहीं। गैलरी के एग्जीक्यूटिव मेंबर व मीडिया प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि खानम आर्ट गैलरी का पाक कला का पांचवां आयोजन था, जो बहुत सफल रहा। हमें उम्मीद है कि आगे भी इस तरह के विभिन्न कलात्मक आयोजन होते रहेंगे और बच्चों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता रहेगा।

कलश यात्रा से मां बगलामुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव शुरू

मोरना। शुकतीर्थ स्थित पांडव कालीन माता पार्वती मंदिर में मां बगला मुखी पीतांबरा जयंती महोत्सव का शुभारंभ धूमधाम से पूजा अर्चना के साथ हो गया। नगरी में बैंड बाजों के बीच कलश यात्रा निकाली। जिसका जगह जगह पर पुष्प वर्षा के साथ स्वागत किया गया। बनारस से पधारे स्वामी ज्ञानेश्वरानंद तीर्थ महाराज के सानिध्य में विधि–विधान पूर्वक हवन यज्ञ के बाद

कलश पूजन से किया गया। जिसके बाद शोभा–यात्रा बैड–बाजों के बीच नगरी के मुख्य मार्गो से होती हुई गंगा घाट, अंबेडकर तिराहे, कल्याण देव चौक, हनुमत धाम, गणेश धाम बस स्टैंड, दुर्गा धाम, शिव धाम होकर वापस आश्रम में पहुंची। जिसमें दूर दराज क्षेत्रों से आई सैकड़ों महिलाओं ने कलश के साथ भाग लिया। नगरी वासियों ने कलश यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। आश्रम के संस्थापक स्वामी अयोध्या प्रसाद मिश्र महाराज ने व्यास पीठ का पूजन किया। चित्रकूटबांदा से आई कथा व्यास कुमारी भक्ति ने श्रीमद भागवत कथा ज्ञान की अमृत ज्ञान वर्षा की। पूजन पंडित तुषार व पंडित छेदी लाल मिश्रा ने संपन्न कराया। कार्यक्रम में आचार्य देव शरण त्रिपाठी, रामेश्वर रुहेला, जय राम स्वामी, श्याम दास महाराज, रामदेव आश्रम, आशीष मिश्रा, ज्योति, राजा भैया मिश्रा, सोमांशु, कमलेश मिश्रा आदि मौजूद रहे। महोत्सव में 28 अप्रैल से चार मई तक रात्रि में चित्रकूट धाम के कलाकारों के द्वारा रामलीला का मंचन किया जाएगा।

बंदरों का हमला, तोड़े गमले, केबिल

प्रयागराज। बंदरों के झुंड ने मंगलवार सुबह राजरूपपुर के आंबेडकर मार्ग किनारे घरों पर हमला कर दिया। दो दर्जन बंदर सुबह सात बजे कई घरों में घुसे और तोड़फोड़ शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बंदरों ने गमले तोड़े, इंटरनेट केबिल निकालकर फेंक दिया। गलियों में खड़ी टू ह्वीलर की सीटें फाड़ दीं। घरों की छतों पर चढ़कर टैंक में घुस गए। बंदरों के तांडव से मार्ग किनारे घरों में अफरा–तफरी मच गई। घरों के दरवाजे बंद हो गए। नगर निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बताया कि सुबह नौ बजे तक लोग घरों में कैद रहे।

नई तकनीक से गन्ना किसानों के जीवन में आई खुशहाली, बढ़ी पैदावार, पेराई और बनी रिकार्ड तोड़ चीनी, भुगतान राशि भी बढ़ी

मुजफ्फरनगर। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के चीनी का कटोरा कही जाने वाली गन्ना पट्टी में अबकी नई तकनीक और कौशल एवं प्रशासनिक दक्षता ने किसानों के जीवन और चीनी उद्योग क्षेत्र दोनों में सकारात्मक बदलाव नजर आया। आने वाले कल में यह बदलाव और ज्यादा दिखेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेती को लाभ में बदलने का जो संकल्प पदभार संभालते वक्त लिया था, खेती प्रधान उत्तर प्रदेश में उसका प्रभाव ज्यादा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मोर्च पर बेदह संजीदा और सक्रिय है। गन्ने की नगदी फसल कहा जाता है। मनरेगा से किसानों को जरूरी संख्या में श्रमिक उपलब्ध कम हो रहे है। परेशान किसान पापुलर की खेती की ओर ज्यादा अग्रसर है। गन्ने की खेती पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों की पारंपरिक रोजगारपरक खेती है। पिछले कुछ वर्षों में गन्ने की नई–नई प्रजातियां विकसित हुई है। गन्ना विभाग ने समय–समय पर किसानों को जागरूक और प्रेरित किया। चीनी मिलों ने समय से पेराई करनी शुरू की। गन्ना मूल्य भुगतान में तत्परता आई। चीनी की मिठास में भी वृद्धि हुई। इन सब वजहों के कारण इस पेराई सीजन में चौकाने वाले नतीजे सामने

आए। सहारनपुर मंडल के गन्ना उपायुक्त ओमप्रकाश सिंह ने आज सोमवार को इस संवाददाता से खास बातचीत में बेहद संवेदनशील और आग्रही है। किसानों ने सीओ–0238 प्रजाति का रकबा घटना शुरू किया और अब वे ज्यादा उन्नत प्रजातियों सीओ–0118, कोसा–13235, कोलख–14201 एवं को 98014 की खेती को अपना रहा है। इससे बेहतर नतीजे मिल रहे हैं। ओमप्रकाश सिंह ने बताया कि गन्ने की पैडी में रैटून मैनेजमेंट डिवाइस का इस्तेमाल करके उसके कल्लों में वृद्धि की गई है। अबकी ड्रोन से गन्ने की फसल पर खाद एवं कीटनाशक का छिड़काव कराया गया। करीब 90 हजार एकड़ कुल के 35 फीसद क्षेत्रफल पर अभी यह काम किया गया। बाकी भूमि पर पावर स्प्रे कराया गया।

गन्ना उपायुक्त ओपी सिंह ने बताया कि आज की तारीख तक सहारनपुर मंडल की 190 चीनी मिलों ने 1773 लाख क्विंटल गन्ने की पेराई की है। पिछले सीजन में इस अवधि में 1648 लाख क्विंटल पेराई हुई थी। अबकी अभी तक 5160 करोड़ रुपये गन्ना मूल्य का भुगतान किया गया। पिछली बार इस अवधि में 4846 करोड़ का भुगतान हुआ था। इस बार तीन सौ करौड़ का ज्यादा भुगतान हुआ।

इस बार पेराई सीजन 25 अक्टूबर 2024 को शुरू हो गया था। अभी 14 चीनी मिलें पेराई बंद कर चुकी है। पांच चीनी मिलें मोरना, खतौली, तितावी, मंसूरपुर और शामली चल रही है। देवबंद ने अबकी 179 लाख क्विंटल गन्ना पेराई की। पिछली बार 155 लाख क्विंटल की थी। ओपी सिंह ने बताया कि तितावी, देवबंद, खाईखेडी, खतौली, नानौता, सरसावा, मोरना, टिकौला, शेरमऊ चीनी मिलों ने समय से गन्ना का भुगतान किया। मंडल की चीनी मिलें 81 प्रतिशत गन्ना मूल्य भुगतान कर चुकी है। इस बार 6244 करोड़ का गन्ना खरीदा गया जबकि पिछली बार 5813 करोड़ रुपये का गन्ना खरीदा गया था। यानि 125 लाख क्विंटल ज्यादा गन्ना खरीदा गया। 477 करोड़ का ज्यादा गन्ना खरीदा गया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव विषय पर गोष्ठी का सफल आयोजन

लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' : श्रीचंद शर्मा

मुजफ्फरनगर। मुज़फ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र की गांधी कॉलोनी स्थित गांधी वाटिका में आज ष्एक राष्ट्र – एक चुनावष विषय पर एक विचारमंथनात्मक जनप्रतिनिधि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सम्माननीय सदस्य श्री श्रीचंद शर्मा जी ने सहभागिता की और अपने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम संयोजक नगर विधायक एवं प्रदेश सरकार मे स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल रहे।

श्री शर्मा जी ने ष्एक राष्ट्र – एक चुनावष की संकल्पना पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए इसके संवैधानिक, प्रशासनिक एवं सामाजिक पहलुओं की गहन व्याख्या की। उन्होंने बताया कि यह पहल देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। उन्होंने तर्कसंगत रूप से बताया कि यदि लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो इससे समय, संसाधन एवं धन की भारी बचत होगी। साथ ही, शासन व्यवस्था पर चुनावी आचार संहिता के बार–बार लागू होने से उत्पन्न अवरोधों को भी रोका जा सकेगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय महत्व के इस विषय पर समाज के प्रबुद्ध वर्ग, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों के मध्य संवाद स्थापित कर एक व्यापक सहमति की दिशा में सार्थक विचार–विमर्श करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सभासद रहे श्रीपाल शर्मा ने की तथा विचार गोष्ठी में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, युवा नेताओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विषय से संबंधित अपने विचार साझा किए।

सभी प्रतिभागियों ने एकमत से कहा कि ष्एक राष्ट्र – एक चुनावष की संकल्पना भारत को राजनीतिक स्थायित्व, समावेशी विकास एवं सुशासन की दिशा में सशक्त बना सकती है, बशर्ते इसकी व्यवहारिक चुनौतियों का समुचित समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मंत्री कपिल देव ने कहा कि "जब देश एक है, संविधान एक है, तिरंगा एक हैकृतो चुनाव क्यों अलग–अलग हों? एक साथ चुनाव सिर्फ एक व्यवस्था नहीं, बल्कि एकता का उत्सव बन सकता है।" उन्होंने कहा किकृ "यह विचार एक नेता का नहीं, एक सरकार का नहींकृ यह विचार भारत माता के भविष्य का है। उन्होंने इस विचार को जन–जन तक पहुँचाने का संकल्प दिलाया।

एक राष्ट्र-एक चुनाव भारत माता के भविष्य का विचार: मंत्री कपिल देव

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी, जिला उपाध्यक्ष संजय गर्ग, जिला मंत्री शरद शर्मा, अभिषेक गुर्जर, चेयरमैन रामनाथ ठाकुर, मंडल अध्यक्ष अमित शास्त्री, दीपक मित्तल, प्रवीण खेड़ा, नंद किशोर पाल, सभासद रजत धीमान, नवनीत गुप्ता, प्रशांत गौतम, योगेश मित्तल, राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, प्रशांत चौधरी, गांधी कॉलोनी हाउसिंग सोसाइटी अध्यक्ष पवन छाबड़ा, ओमप्रकाश अरोरा, सुरेंद्र नगर हाउसिंग से विशाल गर्ग, श्रीपाल पुंडीर, गांधी नगर हाउसिंग सोसाइटी अध्यक्ष उषा गुप्ता, पवित्रा गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता, जैन मिलन सोसाइटी से योगेन्द्र जैन एडवोकेट सहित नगर क्षेत्र के सभी सभासद, समस्त ग्राम प्रधान एवं गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रामपुरी में परशुराम जयंती पर हुआ हवन, पहलगाम के शहीदों को किया नमन

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने आत्मरक्षा को शस्त्र ग्रहण करने का किया आह्वान

मुजफ्फरनगर। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर मंगलवार को रामपुरी एकता मिशन द्वारा मौहल्ला रामपुरी में पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां पर हिन्दु समाज को धर्म और समाज की रक्षा के लिए जागरुक करने के आह्वान के साथ ही हवन यज्ञ कर हमले में मारे गये लोगों के लिए आहुत प्रदान कर शोक के साथ ही आक्रोश प्रकट किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी को युवाओं ने तलवार भेंटकर पटका पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ ही अतिथि के रूप में पहुंची भाजपा महिला मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष अंजू शर्मा का भी युवाओं ने पटका पहनाकर स्वागत और सम्मान किया गया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में मनीष चौधरी ने कहा कि भगवान परशुराम की जयंती के अवसर पर कई दिनों से समारोह का वातावरण बना हुआ है। भव्य शोभायात्रा निकाली गई है। इसी कड़ी में हिन्दू समाज को धर्म और संस्कृति की रक्षा हेतु एकजुट होकर भगवान परशुराम के आदर्श अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया और सामूहिक रूप से कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों की आत्मा की शांति के लिए भी हवन में आहुति प्रदान करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की गई।

उन्होंने कहा कि आज देश में हिन्दू निहत्था है, निर्दोष लोगों को कुछ सिरफिरे आतंकी मार रहे हैं, ऐसे में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए इन लोगों के खिलाफ भगवान परशुराम की नीति और आदर्श अपनाने की आवश्यकता है, जिस तरह से अन्याय और आतंक के खिलाफ भगवान परशुराम ने फरसा उठाया, उसी प्रकार से आज हर हिन्दू को आत्मरक्षा के लिए शस्त्र ग्रहण करने की आवश्यकता है। इसी के लिए समाज को प्रेरित और जागरुक करने के लिए आज रामपुरी एकता मिशन की युवा टीम ने यह हवन यज्ञ का आयोजन किया और इसको निरंतरता प्रदान करने के लिए प्रत्येक वर्ष भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर करने के लिए संकल्प भी ग्रहण किया। मनीष चौधरी ने केन्द्र सरकार से मांग करते हुए कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश सरकार के साथ खड़ा है। उनके फैसलों को लेकर देश में एकजुटता बनी है। सरकार आतंकवाद के खात्मे के लिए जल्द ही सख्त कदम उठाकर पहलगाम के दोषियों पर कार्यवाही करे ताकि पूरा देश इस कदम से गर्व की अनुभूति कर सके और शहीदों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

भाजपा नेत्री अंजु शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए शस्त्र उठाया, आज सम्पूर्ण हिन्दू समाज को उनके आदर्श के साथ जोड़ने के लिए रामपुरी में यह हवन किया गया है। यह समाज के हित के लिए है। यहां यही प्रण लिया गया है कि यह हवन प्रत्येक वर्ष परशुराम जयंती के अवसर पर किया जायेगा। रामपुरी एकता मिशन टीम के मोहित अग्रवाल ने बताया कि हिन्दू समाज आज जागृत नहीं है, एकजुट नहीं है, ऐसे में हमारी युवा टीम ने परशुराम जयंती के अवसर पर मौहल्ला रामपुरी में हवन यज्ञ कर यही प्रयास किया है कि इसके सहारे सम्पूर्ण समाज को एकजुट किया जाये और समाज व धर्म की रक्षा के लिए काम किया जाये। इस दौरान यज्ञमान जितेंद्र शर्मा सपत्नीक और प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी अपनी धर्मपत्नी निधि चौधरी के साथ रहे। हवन यज्ञ पंडित बृजेश दुबे द्वारा संपन्न कराया गया। रामपुरी एकता मिशन की युवा टीम से कृष्णा चौधरी, वंश शर्मा, अश्वनी शर्मा, उर्वशी धीमान आदि सैकड़ो महिलाएं पुरुष उपस्थित रहे।

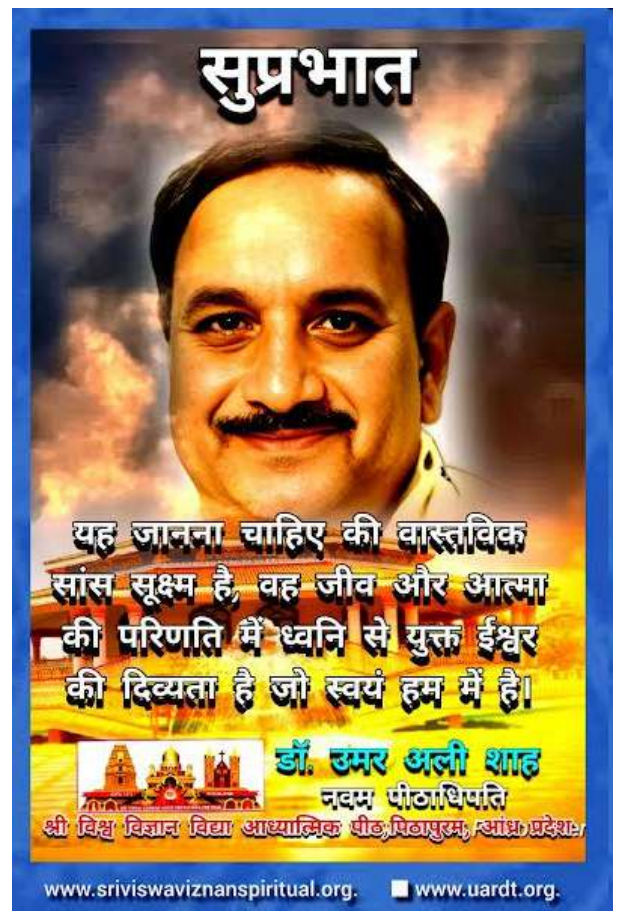

मिलन में आँखें रोती

(कुण्डलिया)

समझो इसके मर्म को,तजकर मियाँ रसूख।
जड़ को पहुँची चोट तो,तने गए सब सूख।
तने गए सब सूख,कुल्हाड़ी जीवित बचती।
देख सभी अवशेष, कहानी तब यह कहती।
सुन लो सखे प्रदीप, समझ रिश्ते की रक्खो।
छूकर उनके चरण, बुढ़ापे को भी समझे।।

होती है जब भी कभी,स्थित डामाडोल।
सिखलाती हैं दूरियाँ,संबंधो का मोल।
संबंधो का मोल,बात बस दिल की करता।
गलती अपनी मान,सदा ज़ख्मों को भरता।
सुन लो कहें प्रदीप, मिलन में आँखें रोती।
आपस में संवाद, सदा खुशियों की होती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

शुकतीर्थ में श्रद्धा से मनाई ब्रह्मलीन स्वामी सोमदत्त महाराज की पुण्यतिथि

-हवन यज्ञ के बाद प्रतिमा पर किया गया पूजन, हुआ भंडारा

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित श्रीराम आश्रम में सोमवार को ब्रह्मलीन स्वामी सोमदत्त महाराज की 16वीं पुण्यतिथि श्रद्धा के साथ मनाई गई। जिसमें दूर दराज क्षेत्रों से आए भक्तों एवं संतों ने स्वामी जी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें शत शत नमन किया। इस दौरान हवन यज्ञ भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें साधु–संतों को भोजन प्रसाद कराया गया है। श्रद्धांजलि सभा में हनुमद्धाम के महामंडलेश्वर स्वामी केशवानंद महाराज ने कहा कि ब्रह्मलीन स्वामी सोमदत्त महाराज ने आश्रम में गौशाला का निर्माण कराकर जीवन भर उनकी की सेवा की। ऐसे महापुरूष को हमें शत शत नमन करना चाहिए। सभा में शिव कल्याण आश्रम के स्वामी गीतानंद महाराज ने कहा कि हमें संतों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके बताए रास्ते पर चलना चाहिए। विठुर से आए आचार्य वेदप्रकाश, स्वामी महेशानंद महाराज, स्वामी हरिशंकर महाराज, आनंद स्वरूपानंद महाराज, ट्रस्ट के सचिव कंवर सैन गोयल, पूर्व सभापति विनोद कुमार शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। इससे पहले भक्तों एवं संतों ने स्वामी जी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें शत शत नमन किया। कार्यक्रम में बाबू देवी सिंह, कटार सिंह, देवी सिंह, यशवीर सिंह मुखिया, हिमांशु, चेतन, विजय कुमार, मोहित वैदिक आचार्य गौरव, राधेश्याम, कंवर सिंह, विश्वेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। इस दौरान हवन यज्ञ भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें साधु–संतों को भोजन प्रसाद कराया गया है।

एनयूजे(आई) की बैठक में आगरा अधिवेशन 1881 के घोषणा पत्र पर प्रस्ताव पास: जिंदल

मथुरा। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट एनयूजे(आई) के नव निर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री त्रियुगनारायण तिवारी, उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट,(उपज) के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह एवं वरिष्ठ पत्रकार राजीव शुक्ल का मथुरा जंक्शन पर उपज जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल एवं भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने भव्य सम्मान किया। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट

उपज के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल ने बताया कि बीकानेर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश शर्मा (भोपाल) की अध्यक्षता में नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की बैठक आयोजित की गई थी जिसमें देश के करीब 20 राज्यों के 100 से अधिक प्रांतीय पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप,माप दंड, गरिमा तथा समस्याओं पर चर्चा की गई । साथ ही मीडिया की मजबूती के लिए आगरा अधिवेशन 1981 के घोषणा पत्र पर प्रस्ताव पास किया गया।बीकानेर से लौटते समय मथुरा जंक्शन पर एन यू जे आई के राष्ट्रीय महामंत्री एवं उपज के प्रदेश का सम्मान किया गया। भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान ने कहा मीडिया हमारे लोकतंत्र का चौथा खंभा है जो भारत के किसान की आवाज उठाने,आखिरी छोर तक के व्यक्ति को न्याय दिलाने का काम करती है और देश की मजबूती में मीडिया का अतुलनीय और अद्वितीय योगदान है। मीडिया के हित में लोकतन्त्र की मजबूती के लिए संसद में सुरक्षा कानून बनाने की जरूरत है।

सम्पादकीय.....

पाक ने पाप स्वीकारे

पाक पोषित आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिए गए पहलगाम के खौफनाक आतंकी हमले ने पूरी दुनिया के सामने पाकिस्तान को बेनकाब कर दिया है। भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि पिछले तीस साल से पाक आतंकवादी तैयार करने का काम कर रहा था। साथ ही उन्होंने यह भी सफाई दी कि पाकिस्तान ने ये गंदा काम अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों के कहने पर किया। सवाल यह है कि क्यों पाक ने एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने नैतिक दायित्व का पालन नहीं किया? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि पाकिस्तान ये काली करतूतें डॉलर की भूख मिटाने के लिये कर रहा था। साथ ही वह दुनिया के इस्लामी देशों का नेतृत्व हासिल करने के लिये इस कट्टरपंथ की फसल सींच रहा था। उसने पूरी दुनिया को दहलाने के लिये अपने आतंकी निर्यात किए। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह स्वीकारोक्ति भारत द्वारा लंबे समय से लगाये जा रहे उन आरोपों की पुष्टि ही है, जिसमें पाक को आतंक की पाठशाला बताया गया था। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के सबूत बार–बार दिए, लेकिन अमेरिका व उसके सहयोगी देशों ने इसे अनदेखा ही किया। निश्चित रूप से एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान की विफलता जग–जाहिर हो गई है। पुलवामा हमले के बाद भारतीय कार्रवाई के जवाब में परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसे अनाप–शनाप बयानों से स्पष्ट है कि वैश्विक व्यवस्था के प्रति पाक की क्या सोच है। इससे भी शर्मनाक घटना ब्रिटेन में सामने आई, जहां पाक उच्चायोग के सामने प्रदर्शन करने वाले भारतीयों को एक पाकिस्तान राजनयिक गला काटने का इशारा करता सूचना माध्यमों में नजर आया। उक्त राजनयिक पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा सलाहकार के रूप में तैनात है। निश्चय ही यह राजनयिक स्तर पर एक शर्मनाक घटना है। साथ ही बताती है कि कैसे पाक सेना के उच्चाधिकारी एक जिहादी संगठन के सदस्य जैसा व्यवहार कर रहे हैं। इससे पाकिस्तानियों में भारतीयों के प्रति भरी घृणा ही उजागर होती है। भारत को इन तमाम मामलों को वैश्विक मंच पर उठाकर पाक पर कार्रवाई के लिये दबाव बनाना चाहिए। दुनिया को बताना चाहिए कि पुलवामा हमले से पहले कैसे पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल आसिम मुनीर ने कट्टरपंथियों जैसा भड़काऊ बयान दिया था। जिसके कुछ समय बाद ही पहलगाम जैसा भयानक आतंकी हमला सामने आया। बहरहाल, पाक आज पूरी दुनिया के सामने बेनकाब हुआ है। भारत को दुनिया को बताना चाहिए कि किस तरह पाकिस्तान दुनिया की शांति के लिये खतरा बना हुआ है। जिसको सख्त आर्थिक प्रतिबंधों के जरिये आतंक से दूरी बनाने के लिये बाध्य किया जाना चाहिए। निश्चय ही अब पाक को सबक सिखाने का वक्त आ गया है।

देश को भीतर से दरकाते देशभक्त

डॉ. दीपक पाचपोर

भाजपा हाईकमान तथा उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को चाहिये कि वे अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों को इस बात की समझाइश दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गुनहगारों से लड़ने की जरूरत है, न कि देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों से।

देश की वर्तमान परिस्थितियों का सीधा लाभ पाकिस्तान, उसके संरक्षण में फल–फूल रहे आतंकवादी और इधर भारतीय जनता पार्टी को मिल रहा है। बगैर यह समझे कि उनकी हरकतें पाकिस्तान व दहशतगर्दों को खुश कर रही हैं, खुद को देशभक्त कहने वाले भाजपा समर्थक दुनिया भर में भारत की साख को मिट्टी में मिला रहे हैं। सच कहा जाये तो ये लोग, जिसे कभी खुद पार्टी नेतृत्व ने स्प्लिंटर ग्रुप कहा था, अपना ही देश तोड़ रहे हैं। देश की सबसे बड़ी ताकत नागरिक एकता होती है, इसे ध्वस्त करने का काम हो रहा है। भाजपा हाईकमान तथा उसकी मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को चाहिये कि वे अपने कार्यकर्ताओं तथा समर्थकों को इस बात की समझाइश दें कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के गुनहगारों से लड़ने की जरूरत है, न कि देश के भीतर रहने वाले मुसलमानों से। उनकी हरकतें अंतरराष्ट्रीय समुदाय के आगे भारत को एक विभाजित समाज के रूप में प्रस्तुत कर रही हैं। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम की प्रसिद्ध बैसरन घाटी में आतंकियों ने 27 लोगों को मार डाला था। इनमें एकाध को छोड़कर सारे ही पर्यटक थे। इस घटना ने देश भर में पहले से चल रही मुस्लिम विरोधी मानसिकता को और भी सघन कर दिया है। इस बात को बहुत बढ़–चढ़कर बताया जा रहा है कि आतंकियों ने सैलानियों से उनका धर्म पूछकर गोली मारी। हालांकि इस बात की बहुत पुष्टि नहीं हो पायी है, फिर भी इसे भाजपा–संघ के समर्थकों तथा आईटी सेल ने लपक लिया है तथा उसे सच साबित कर रही है। घटना के कुछ ही क्षणों के भीतर छत्तीसगढ़ भाजपा से एक एआई जनरेटेड चित्र सोशल मीडिया पर जारी हुआ, जिसमें एक शोकाकुल नवविवाहित युवती अपने पति के शव के साथ दिख रही है। उस पर स्लोगन दिया गया है–धर्म पूछा जाति नहीं। जाहिर है कि यह तस्वीर जारी करने का मकसद घटना का लाभ उठाते हुए ध्रुवीकरण की प्रक्रिया को तेज करना ही था। सोशल मीडिया पर हिन्दू–मुस्लिम की लड़ाई घटना के बाद से ही तेज हो गयी है। धर्म पूछकर गोलियां मारने का हाइप इतना बना दिया गया कि एक वर्ग इस बात से कतई प्रभावित नहीं हो रहा है कि अपनी जान का खतरा मोल लेकर गाइडों, घोड़े वालों आदि ने बड़ी संख्या में पर्यटकों को बचाया। वहां से लौटे पर्यटकों की आप–बीती वाले वीडियो कई जगहों से आ रहे हैं जिनमें वे कह रहे हैं कि स्थानीय कश्मीरियों ने उनकी न केवल जान बचाई वरन उन्हें अपने घरों में पनाह दी। उनसे खाने–पीने, रहने का पैसा नहीं लिया, उन्हें बस अड्डों तथा एयरपोर्ट मुफ्त में छोड़ा गया। नजाकत अली का किस्सा खूब मशहूर हो रहा है, जिसने छत्तीसगढ़ के चिरमिरी के 11 लोगों को बचाया। इनमें भाजपा से जुड़े जनप्रतिनिधि तक हैं। एक घोड़े वाला सैयद आदिल हुसैन आतंकियों से राइफल छीनने की कोशिश में मारा गया। ये सारी बातें मुस्लिमों ने घृणा करने वाले कुनबे को कतई प्रभावित नहीं कर रही हैं। जो भी साम्प्रदायिक सौहार्द्र की बात कह रहा है, वही आलोचना का पात्र बन रहा है। ऐसे लोगों को देशद्रोही, राष्ट्रविरोधी, पाकिस्तानपरस्त, हिन्दूविरोधी आदि न जाने क्या–क्या कहा जा रहा है। ऐसा नहीं कि यह कोई पहली बार हो रहा है। देश में होने वाली प्रत्येक घटना पर ऐसा ही वैचारिक विभाजन और कटु मतभेद दिखाई पड़ता है। फर्क यह है कि इस बार उसका उफान ज्यादा है, कुछ–कुछ 2019 में हुए पुलवामा कांड के वक्त जैसा। सरकार से पहलगाम की घटना पर सवाल करने वाले फिर से वैसे ही निशाने पर लिए जा रहे हैं, जैसे तीन तलाक, जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने, राम मंदिर का फैसला, वक्फ कानून में संशोधन आदि के समय देखा गया था। वैसे तो लगभग हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर सरकार समर्थकों एवं विरोधियों के बीच ठनती रहती है, लेकिन जो मसले साम्प्रदायिक हों, खासकर जिनमें हिन्दू व मुस्लिम दो पक्ष हों, वहां यह संघर्ष कुछ बड़ा ही स्वरूप धारण कर लेता है। अगर यह युद्ध केवल सोशल मीडिया पर ही जारी रहता तो कोई बात नहीं रहती, लेकिन यह सड़कों पर उतर आया है। आगरा में गौरक्षा दल वालों ने गुलफाम नामक व्यक्ति की हत्या कर दी और उसके एक साथी सैफ पर फायर किया। भीड़ के नेताओं ने एक वीडियो में कहा कि वे 26 के बदले 2600 को मारेंगे। (वैसे पुलिस इसे पुराना वीडियो बता रही है)। जयपुर में विधायक बालमुकुन्द आचार्य के नेतृत्व में जामा मस्जिद में पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाये गये तो वहीं अम्बाला में मुस्लिमों की दुकानों को तोड़ा गया, उनके ठेले पलटा दिये गये और श्रमिकों से मार–पीट की गयी। यहीं तीन कश्मीरी छात्रों को भी मारा गया जिन्हें गुरुद्वारा में शरण दी गयी। हाथरस में मंदिर बनाने वाले कारीगरों को काम से निकाल दिया गया तथा जोधपुर के जालोरी गेट चौराहे पर पुलिस के रहते मुसलमानों को मारने–काटने की धमकियां दी गयीं। गाजियाबाद के एक गांव में मुस्लिम रेहड़ीवाले को भगा दिया गया तो देहरादून में हिन्दू रक्षा दल ने वीडियो जारी किया कि कोई भी कश्मीरी मुसलमान शहर में नहीं दिखना चाहिये। पश्चिम बंगाल में एक लेडी डॉक्टर ने एक मुस्लिम महिला का इलाज करने से यह कहकर इंकार कर दिया कि तुम मेरे धर्म वालों को मारते हो। महाराष्ट्र के मंत्री नीतेश राणे कहते हैं कि जहां से सामान खरीदो, पहले उसका धर्म जान लो। पाकिस्तान और आतंकी जो चाहते थे (देश में साम्प्रदायिक टकराव), वैसा ही हो रहा हैय और यह कर रहे हैं भाजपा–संघ के लोग, देश के मुसलमानों की कीमत पर, जो खुद को देशभक्त कहते हैं। मुमकिन है कि भाजपा इस माहौल को बनाए रखना चाहेगी ताकि उसका सियासी लाभ कम से कम इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव में लिया जा सके।

मोदी से निराशा और राहुल से उम्मीदें बढ़ीं

शकील अख्तर

चीजें बदल रही हैं। इसे आप टर्निंग पाइंट भी कह सकते हैं। पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद आम लोगों को प्रधानमंत्री मोदी से निराशा हुई है और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से लोगों की उम्मीदें बढ़ी हैं। राहुल गांधी भी अपना विदेशी दौरा छोड़कर भारत लौटे और प्रधानमंत्री मोदी भी। राहुल सीधे कांग्रेस की शीर्ष ईकाई सीडब्ल्यूसी की बैठक में गए। जहां पहलगाम के आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धाजंलि दी गई। आतकंवाद के खिलाफ मजबूती से खड़ा होने का कांग्रेस का संकल्प दोहराया गया। और पूरे देश की एकजुटता की बात कही गई। इसके बाद राहुल उस आल पार्टी मीटिंग में गए जिसे कांग्रेस की मांग के बाद बुलाई तो केन्द्र सरकार ने थी मगर खुद प्रधानमंत्री मोदी उसमें शामिल नहीं हुए। खैर! नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने स्टेट्समेनशिप (बड़े नेता, देश के नेता) का परिचय देते हुए सरकार को बिना शर्त पूरा सहयोग देने का वादा किया। यहां यह बात बताना जरूरी है कि इससे पहले कभी ऐसी घटना में बीजेपी जब विपक्ष में होती थी तो सरकार को सहयोग देना तो दूर उल्टे सरकार पर आरोप लगाना शुरू कर देती थी। मगर राहुल ने कहा कि सरकार जो भी कदम उठाएगी हम उसका साथ देंगे। उसके बाद राहुल अगली सुबह कश्मीर पहुंच गए। वहां अस्पताल जाकर घायलों से मिले। अपनी पार्टी के लोगों से मिलकर घटना की जानकारी ली। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मिले। नेता प्रतिपक्ष के रूप में जो कर सकते थे किया। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री मोदी। विदेश यात्रा से लौटकर न तो किसी मृतक के परिवार से मिले, न घायलों से। न कश्मीर गए। न आल पार्टी मीटिंग में आए। किया क्या? बिहार चले गए। जहां विधानसभा चुनाव होना है। वहां एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हंस–हंस कर बातें करते हुए फोटो और वीडियो सामने आए। यहीं से वह टर्निंग पाइंट बनना शुरू हो गया जहां मोदी पीछे और राहुल आगे दिखने लगे। मगर यह इतना आसान नहीं। जनता में भावनाएं आई हैं। मगर यह सामने आएं इसके लिए कांग्रेस को काम करना पड़ेगा। मोदी के पास मीडिया है। और इन 11 सालों में यह साबित हो गया है कि मीडिया का प्रोपेगंडा इतना ताकतवर है कि वह एक पढ़े–लिखे व्यक्ति को पप्पू और जिसकी डिग्री में संदेह हो उसे बड़ा चिंतक विचारक बता सकता है। मोदी के पास मीडिया के साथ अपनी पार्टी की सोशल मीडिया टीम है और एक बड़ा भक्त समुदाय है। यह तीनों मिलकर मोदी के गिरते ग्राफ को थामने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यहीं कांग्रेस को सावधान रहने की जरूरत है। उसे मजबूत होने और अफवाह, प्रचारतंत्र और झूठ का माहौल तोड़ने के लिए अपनी टीम को तैयार करना होगा। अभी कांग्रेस की हालत क्या है? हैदराबाद में सौ देशों के प्रतिनिधियों ने पाक समर्थित आतंकवाद के खिलाफ केंडिल लाइट प्रदर्शन किया। शांति की कामना की। आतंकवाद का विरोध। मगर कांग्रेस यह दिखाने बताने में असमर्थ रही। यह आयोजन किस का था? कांग्रेस का। राहुल गांधी इसमें शामिल हुए। तेलंगाना के मुख्यमंत्री कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सौ से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि। मगर उनके आतंकवाद के खिलाफ का प्रदर्शन कांग्रेस हाई लाइट नहीं कर पाई। यह गलती इस समय नहीं होना चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ कांग्रेस की कोई भी पहल इस समय जनता बहुत उम्मीद और भरोसे के साथ देख रही है। कांग्रेस में गुटबाजी और केवल श्मैं ही मैं हंश बड़ी समस्या है। खुद राहुल कह चुके हैं। और कांग्रेस अध्यक्ष खरगे भी। मगर उसे दूर करने के लिए कुछ नहीं कर रहे। और इसका नुकसान इन दोनों को ही होगा। कोई कांग्रेस के गुटबाज, छोटे–छोटे स्वार्थों में लगे लोगों से जवाब नहीं मांगेगा। जवाब इन दोनों शीर्ष नेताओं को ही देना होगा। मगर यह दोनों कुछ क्यों नहीं करते हैं। इसका जवाब किसी के पास नहीं है। मोदी अपने सबसे विपरीत समय में भी नरेटिव (कहानी) बनाने के लिए कुछ करेंगे। लेकिन कांग्रेस जागेगी इसमें लोगों को संदेह है। लोग अभी भी वही पुरानी बात कहते हैं कि कांग्रेस सोचती है कि लोग जब मोदी से परेशान हो जाएंगे खुद उसके पास आएंगे। लोग आ रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं। मगर कांग्रेस जो सबसे बड़ा विपक्षी दल है उसे भी पार्टी के रूप में अधिक सक्रिय होकर सामने आना होगा। राहुल बहुत मेहनत करते हैं। खरगे जी इस उम्र में जितना काम कर रहे हैं इतनी उम्र का किसी भी पार्टी का कोई नेता नहीं कर रहा है। 83 साल के होने वाले हैं। बीजेपी का सारा प्रचारतंत्र इस समय भरभरा कर गिर गया है। मोदी जी कुछ भी बोलते रहते थे। नोटबंदी से आतंकवाद खतम हो गया। कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद हो गया। घर में घुस कर मारेंगे। लाल आंखें। सब की असलियत लोगों के सामने आ गई। और उस पर अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ पाकिस्तान को भी एक पलड़े में रखकर मोदी की यह मेरा दोस्त वह मेरा दोस्त माई डियर ट्रंप सब दावों की हवा और निकाल दी। ट्रंप ने बहुत गलत बोला। दोनों को समान दोस्त बता दिया। और कश्मीर मामले को 1500 साल पुराना बता दिया। आतंकवाद पर हम पीड़ित हैं। पाकिस्तान कश्मीर में करीब चार दशक से आतंकवाद चला रहा है। वह उत्पीड़क है। उसके साथ हमें रख देना एकदम गलत है। लेकिन प्रधानमंत्री कोई विरोध नहीं कर पाए। इससे पहले भी जब भारतीयों को हथकड़ी बेड़ी डालकर वापस भेजा गया तब भी। मनमाना टैरिफ लगाया गया तब भी। मोदी को सामने बिठाकर भारत के खिलाफ बोला गया तब भी। पता नहीं अब भी समझ में आएगा कि नहीं। काहे के लिए खुद को विश्व गुरु बोलते थे! 11 साल सिर्फ हिन्दू–मुसलमान किया। क्या हुआ उससे? नौकरी, महंगाई, देश की अर्थ व्यवस्था, जनता की सरकारी स्वास्थ्य सेवाएं, उनके बच्चों की सरकारी स्कूलों की मुफ्त शिक्षा छोड़िए, क्या जिस पर सारा जोर था वह आतंकवाद खतम हो गया? चीन की तो बात ही करना बेकार है। वह तो अंदर घुसकर गलवान में हमारे 20 जवानों को शहीद कर गया। और प्रधानमंत्री ने उन्हें क्लीन चिट दे दी कि न कोई आया हो न कोई घुसा है। और सबसे खराब बात कि पाकिस्तान जिस का पक्ष लेने की अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने कोशिश की थी तो उस समय की प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए थे उसी पाकिस्तान को आज अमेरिका के राष्ट्रपति भारत के साथ बराबरी पर रख रहे हैं। और हम चुप हैं।अमेरिका से इतना डर? अगर इन्दिरा गांधी डरी होतीं तो क्या आज भारत ऐसा मिलता? बातों ही बातों को समय ने पूरा एक्सपोज कर दिया। जनता की समझ में आ रहा है। मगर जनता खुद से कुछ नहीं कर सकती है। उसे प्रेरित करते रहना पड़ेगा। दूसरी बात कांग्रेस को पहले चुनाव जीतना सीखना पड़ेगा। सब परिस्थितियां हैं। चुनाव आयोग का पक्षपात। वोटर लिस्ट में धांधलियां, ईवीएम में गड़बड़ियां सब हैं। मगर कांग्रेस की अपनी कमजोरियां? हम नहीं कह रहे खरगे और राहुल खुद कह चुके हैं। गुटबाजी, कांग्रेस में आधे बैठे भाजपाई, काम नहीं करना, सब परतें दोनों ने खरगे–राहुल ने खोल दी हैं। मगर इन्हें दूर कौन करेगा? पता नहीं? ऊपर वाले का नाम तो भाजपा सबसे ज्यादा लेती है। मगर शायद सोचती कांग्रेस है कि वही इन सब गड़बड़ियों को दूर करेगा! जैसे अंध भक्त आजकल हो गए हैं। वैसे शायद अंध आस्थावान कांग्रेस आजकल हो रही है!

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत–पाक के बीच दो अंतरराष्ट्रीय संधियों के निलंबन की कहानी

डॉ. ज्ञान पाठक

शायद यह समय निकट अतीत का सबसे बुरा दौर है। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोग मारे गये, जो 2000 के बाद से पिछले 25 सालों में सबसे भयानक घटना है। दुनिया ने इसे आतंकवाद की कार्रवाई कहा। इस आतंकी हमले में पाकिस्तान के शामिल होने के प्रथम दृष्टया सुबूतों के आधार पर भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तुरंत पांच सख्त कदम उठाये। इनमें से एक 1960 की सिंधु जल संधि का निलंबन था। पाकिस्तान ने इसे युद्ध की कार्रवाई कहा और फिर 1972 के शिमला समझौते को निलंबित कर दिया, जो शांति का निलंबन है। संयुक्त राष्ट्र ने अधिकतम संयम का आह्वान किया है। कहानी अभी भी चल रही है और कोई नहीजानता कि यह किस ओर मुड़ेगी। अपनी शुरुआती प्रतिक्रिया में पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह 22 अप्रैल मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में श्पर्यटकों की जान जाने से चिंतित है। तब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दावा किया कि इस घटना से देश का कोई लेना–देना नहीं है। भारतीय अधिकारी, हालांकि, पाकिस्तान के इनकार से संतुष्ट नहीं थे। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक दल ने पहलगाम के आतंकवादियों को श्स्वतंत्रता सेनानीश कहा। यहां तक कि पाकिस्तान ने जम्मू और कश्मीर में भारत–पाक सीमा पर गोलीबारी का सहारा लिया, जिसका भारतीय बलों ने तुरंत जवाब दिया। यह कहानी अशुभ दिशा में आगे बढ़ रही है जिसका असर दोनों देशों के आम लोगों पर पड़ेगा और उनकी जान और संपत्ति का भारी नुकसान होगा। 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रचार मशीन द्वारा बनाये गये मिथक को ध्वस्त कर दिया है कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद जम्मू और कश्मीर में सब ठीक है और उन्हें आतंकवाद के खिलाफ भारत के प्रत्यक्ष सुरक्षा कवर के तहत सुरक्षित रखा गया है। जम्मू और कश्मीर वास्तव में आतंकवादियों से सुरक्षित नहीं था, क्योंकि आतंकी समूह खुद को शांत रख रहे थे, जबकि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह यह दावा करते रहे कि उन्होंने नागरिकों को प्रदान किये गये मजबूत सुरक्षा कवर के बाद घाटी में शांति बहाल कर दी है। घाटी ने वास्तव में अक्टूबर 2001 के बाद से इस पैमाने पर नागरिकों पर हमले में मौत नहीं देखी है जब 35 लोग मारे गये थे। 2019 का पुलवामा हमला सशस्त्र बलों पर था जिसमें 40 से अधिक जवान मारे गये थे। घरेलू सुरक्षा व्यवस्था की विफलता अब इस आतंकी घटना से साबित हुई है, और इसलिए पीएम नरेंद्र मोदी के तहत घाटी में शांति, केवल एक मिथक थी, जो उनके हाइपर प्रचार मशीन द्वारा निर्मित था। लेकिन इस विफलता पर पर्दा डालने के लिए मोदी सरकार को एक कवर उपलब्ध है, वह है वर्तमान आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ, और घाटी के साथ–साथ भारत में अलगाववादी और आतंकवादी आंदोलनों में उनकी पारंपरिक भागीदारी। लेकिन यह बाहरी हाथ की बात पर, सुरक्षा के मोर्चे पर मोदी सरकार की विफलता को माफ नहीं किया जा सकता। हालांकि, यह कहानी आगे बढ़ी, सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन के साथ, जो भारत और पाकिस्तान के बीच तीन युद्धों – 1965, 1971 और 1999 में भी बची रही। सिंधु जल संधि का निलंबन अब अतीत से एक प्रस्थान है, और इनमें से एक युद्ध अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के तहत लड़ा गया था। इस प्रकार सिंधु जल संधि को निलंबित करने का पीएम नरेंद्र मोदी का निर्णय महत्वपूर्ण नया घटनाक्रम है सिंधु जल संधि के प्रावधानों के अनुसार सिंधु नदी प्रणाली की पूर्वी नदियों सतलुज, व्यास और रावी का सारा पानी भारत के श्अप्रतिबंधित उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा, जबकि पाकिस्तान को श्पश्चिमी नदियोंश सिंधु, झेलम और चिनाब से पानी मिलेगा। इस संधि के निलंबन से पाकिस्तान अभूतपूर्व स्तर के जल संकट और बाढ़ से पीड़ित होगा। यह पाकिस्तानी लोगों और नीचे की ओर रहने वाले सभी प्रकार के जीवन के लिए विनाशकारी होगा। मानवता के दृष्टिकोण से, यह तबाही अभूतपूर्व होगी। अगर पाकिस्तान में राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर जल्दबाजी में टिप्पणी नहीं की होती या घाटी में आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद का वायदा किया होता, तो कहानी अलग तरह से आगे बढ़ती। शांति का पालन करने के बजाय, उन्होंने प्रतिशोध का रास्ता अपनाया। पाकिस्तान ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि 1960 के निलंबन को युद्ध की कार्रवाई कहा। गुरुवार, 24 अप्रैल को पाकिस्तान ने भारत–पाक शिमला समझौते 1972 को स्थगित करने की घोषणा की, जो शांति के लिए एक समझौता था। पाकिस्तान ने भारत के पाकिस्तान के खिलाफ उठाये गये कदमों के जवाब में सात जवाबी उपायों की घोषणा की। उनके सात जवाबी उपायों में से एक शांति का निलंबन है, शिमला समझौते के निलंबन से रूप में, जो 1971 के युद्ध के बाद दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित किया गया था जिसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण हुआ था। शिमला समझौता एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर था जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच शांति बहाल करना और संबंधों को सामान्य बनाना था, जिसमें अच्छे संबंधों के लिए भविष्य की बातचीत के लिए प्रमुख सिद्धांतों को रेखांकित करके सुलह की दिशा तय की गयी थी। शांति के लिए हुए इस समझौते के निलंबन से न केवल दोनों देशों के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा, बल्कि नागरिकों की शांति और उनका कल्याण पूरी तरह बाधित होगा। शिमला समझौते पर संयुक्त वक्तव्य में कहा गया है, भारत सरकार और पाकिस्तान सरकार ने संकल्प लिया है कि दोनों देश अपने संबंधों को खराब करने वाले संघर्ष और टकराव को समाप्त करेंगे और मैत्रीपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने तथा उपमहाद्वीप में स्थायी शांति की स्थापना के लिए काम करेंगे, ताकि दोनों देश अपने संसाधनों और ऊर्जा को अपने लोगों के कल्याण को आगे बढ़ाने के महत्वपूर्ण कार्य में लगा सकें। पाकिस्तान द्वारा इस संधि को निलंबित करने से दोनों देशों के लोगों के कल्याण को आगे बढ़ाना गंभीर जोखिम में पड़ गया है। भारत और पाकिस्तान द्वारा दो अंतरराष्ट्रीय संधियों को निलंबित करने के बाद, दोनों पक्षों में कट्टरता अपने चरम पर पहुंच रही है। घाटी में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान और भारत के सैनिकों के बीच रात भर गोलीबारी हुई। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र ने दोनों देशों से अधिकतम संयम बरतने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि स्थिति और घटनाक्रम जो हमने देखा है, वह और अधिक न बिगड़े।

जाट की सफलता के बाद देहरादून पहुंचे सनी देओल, अगली फिल्म के बारे में दी जानकारी

फिल्म जाट की जबरदस्त सफलता के बाद दिग्गज अभिनेता सनी देओल देहरादून पहुंच चुके हैं। यहां उन्होंने अपने फैंस के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की। अभिनेता सनी देओल इस समय देहरादून में बहुप्रतीक्षित सीक्वल की शूटिंग कर रहे हैं। गदर अभिनेता ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें उन्होंने देहरादून के खूबसूरत नजारों के बीच सूर्यास्त का नजारा दिखाया। अपने आस–पास की सुंदरता की सराहना करते हुए सनी को यह कहते हुए सुना गया, बहुत सुंदर। उनके वीडियो के साथ कैप्शन लिखा था, देहरादून में खराब मौसम और खूबसूरत सूर्यास्त के बीच बॉर्डर की शूटिंग करने पहुंच गया हूं। बॉर्डर 2 में सनी के साथ वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी मुख्य भूमिका में हैं। फरवरी में निर्माताओं ने झांसी में फिल्म के सेट से एक बीटीएस तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी। तस्वीर में सनी देओल, वरुण धवन, निर्माता भूषण कुमार, निधि दत्ता, सह–निर्माता शिव चानना, बिनॉय गांधी और निर्देशक अनुराग सिंह सहित बॉर्डर 2 की टीम नजर आ रही है। तस्वीर में सनी और वरुण एक टैंक के ऊपर बैठे हुए दिख रहे हैं, जबकि निर्माता उसके सामने खड़े हैं। कैप्शन में लिखा है, एक्शन, विरासत और देशभक्ति। झांसी की बीहड़ छावनी में बॉर्डर 2 के सेट पर सनी देओल, वरुण धवन, निर्माता भूषण कुमार, निधिदत्ता। 23 जनवरी, 2026 को वीरता और बलिदान की गाथा के लिए तैयार हो जाइए। यह फिल्म अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही है। 1997 की युद्ध ड्रामा बॉर्डर की सीक्वल यह फिल्म कथित तौर पर 1999 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए कारगिल युद्ध पर आधारित है। पाकिस्तानी सैनिकों ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की और भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया, जिसमें से ज्यादातर कारगिल जिले में था। भारत ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए एक बड़ा सैन्य और कूटनीतिक हमला करके जवाब दिया। आधिकारिक डेटा का दावा है कि 75 से 80 फीसदी घुसपैठ वाले क्षेत्र और लगभग सभी ऊंचे इलाकों को भारतीय नियंत्रण में वापस ले लिया गया।

> “
> गदर अभिनेता ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया। जिसमें उन्होंने देहरादून के खूबसूरत नजारों के बीच सूर्यास्त का नजारा दिखाया। अपने आस-पास की सुंदरता की सराहना करते हुए सनी को यह कहते हुए सुना गया, बहुत सुंदर। उनके वीडियो के साथ कैप्शन लिखा था, देहरादून में खराब मौसम और खूबसूरत सूर्यास्त के बीच बॉर्डर की शूटिंग करने पहुंच गया हूं। बॉर्डर २ में सनी के साथ वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ भी मुख्य भूमिका में हैं।

अज्जी की 70 साल पुरानी कांजीवरम साड़ी पहन इतराई पूजा हेगड़े, हसीना की मुस्कान पर लट्टू हुए फैंस

साउथ से बॉलीवुड का सफर तय करने वाली पूजा हेगड़े अपने लुक्स को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में पूजा ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की जो इस समय चर्चा में हैं। इन तस्वीरों में पूजा 70 साल पुरानी कांजीवरम साड़ी पहन इतराती नजर आ रही हैं जो उनकी अज्जी यानि दादी की है। लुक की बात करें तो हरे और बैंगनी कलर की साड़ी में पूजा बला की खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल मेकअप से कंप्लीट किया है। बालों में गजरा और माथे पर बिंदी लगाए पूजा बेहद ही प्यारी लग रही हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "कोठरी से 70 साल पुरानी शानदार साड़ी३ यह मुझे मेरी खूबसूरत अज्जी (दादी) की याद दिलाती है, जो कांजीवरम साड़ी पहनकर अपना पूरा दिन बिताती थीं। शादी की तैयारियों के बीच घर में मल्लिगे की ताजगी और पहली बारिश के बाद की गीली मैंगलोर मिट्टी की खूशबू इन साधारण चीजों में सुंदरता है, रेट्रो। काम की बात करें तो पूजा इन दिनों अपकमिंग फिल्म रेट्रो को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त पूजा लगातार शानदार पोस्ट शेयर करती रहती हैं। रेट्रो में पूजा हेगड़े के साथ अभिनेता सूर्या मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में सोशल मीडिया पर 'रेट्रो' का टाइटल और टीजर जारी किया। टीजर में पूजा और सूर्या एक तालाब के किनारे बैठे दिखते हैं। पूजा एक गांव की लड़की की भूमिका में हैं जो सूर्या की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। टीजर में सूर्या कहते हैं–मैं अपने गुस्से पर काबू रखूंगा, इस पल के बाद सब कुछ पीछे छोड़ दूंगा। मैं मुस्कुराने और खुश रहने की कोशिश करूंगाय मेरे जीवन का उद्देश्य शुद्ध प्रेम है, केवल शुद्ध प्रेम।

रणवीर इलाहाबादिया को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज करने का दिया आदेश

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में अश्लील टिप्पणी कर फंसे यूट्यूबर–पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया के लिए सोमवार राहत भरा रहा। सुप्रीम कोर्ट ने उनके पासपोर्ट को रिलीज करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने शर्तों के साथ पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने बताया कि इलाहाबादिया के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है। हालांकि, जब भी जरूरत होगी इलाहाबादिया को पेश होना पड़ेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबादिया को महाराष्ट्र साइबर सेल से पासपोर्ट हासिल करने के लिए आवेदन करने की भी अनुमति दे दी है। 1 अप्रैल को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर–पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को झटका देते हुए पासपोर्ट जारी करने की मांग वाली उनकी याचिका खारिज कर दी थी। सुनवाई के दौरान रणवीर के वकील ने कहा कि पॉडकास्टर जांच में सहयोग कर रहे हैं, जहां भी पूछताछ के लिए बुलाया जाता है, वहां वह जाते हैं। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को इस शर्त पर अपने पॉडकास्ट को फिर से शुरू करने की अनुमति दी थी कि वह शालीनता और नैतिकता के मानकों को बनाए रखेंगे। याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर इलाहाबादिया को भविष्य में फिर ऐसी गलती न करने की शर्त पर उन्हें गिरफ्तारी से राहत के साथ पॉडकास्ट करने की अनुमति दी थी। इस बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर रणवीर इलाहाबादिया ने प्रशंसकों को जानकारी दी कि वह नए पॉडकास्ट के लिए तैयार हैं। माफी मांगने के साथ ही रणवीर ने कहा कि वह अब और अधिक जिम्मेदारी के साथ कंटेंट तैयार करेंगे। इसके साथ ही एक और मौका देने की भी बात कही। उन्होंने लोगों से रणवीर शो में एक नए रणवीर को देखने की भी बात कही। रणवीर ने बताया कि यह दौर उनके लिए बेहद कठिन था, लेकिन दोस्तों से मिले सकारात्मक संदेशों और अपनों के साथ ने उनकी मदद की। इसके साथ ही उन्होंने प्रशंसकों से वादा किया कि वह अधिक जिम्मेदारीष के साथ कंटेंट बनाएंगे। उन्होंने कहा कि बहुत सारी धमकियों और विरोध में लिखे गए कई न्यूज आर्टिकल के बीच, मिले समर्थन और मैसेज ने उनका और उनके परिवार का बहुत साथ दिया। उन्होंने कहा, जीवन के सबसे बुरे पलों में ही आपको एहसास होता है कि केवल सफलता ही आपके साथ नहीं होगी, आपको असफलता का सामना भी करना पड़ेगा। तो आज मैं सिर्फ अपने दिल की बात आप लोगों से शेयर करूंगा, खास तौर पर उन लोगों के लिए, जिन्होंने हमारी मदद की।

हरे राम हरे कृष्ण..बेटी संग कृष्ण भक्ति में लीन दिखी दृष्टि धामी, कीर्तन करती 6 महीने की लीला ने चुराया दिल

टीवी एक्ट्रेस दृष्टि धामी फिलहाल अपनी बेटी के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं। हाल ही में एक मंदिर से अपनी बेटी का एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दृष्टि अपनी छह महीने की बेटी लीला के साथ मंदिर में कीर्तन करती नजर आ रही हैं। क्लिप में वह साथी भक्तों के साथ भक्ति और अनुग्रह के साथ हरे राम हरे कृष्ण का जाप करती नजर आईं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि दृष्टि धामी की बेटी छोटी लीला मंदिर के फर्श पर उनके बगल में शांति से बैठी थी। ऐसा लग रहा है जैसे वो शांत वातावरण को आत्मसात कर रही थी। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा–हरे राम हरे राम... कृष्ण कृष्ण हरे हरे... कृष्ण की दिव्य लीला का जश्न मनाते हुए। इसमें छोटी सी लीला खेलती नजर आ रही है। हाल ही में, दृष्टि धामी की बेटी छह महीने की हो गई और उन्होंने इस पल का जश्न मनाते हुए एक पोस्ट शेयर की। 24 अप्रैल को उनकी बेस्ट फ्रेंड सनाया ईरानी ने बेबी लीला के साथ एक दिल को छू लेने वाला पल पोस्ट किया। तस्वीरों में सनाया ईरानी बेबी लीला को गोद में लिए हुए थीं। दिल को छू लेने वाले पलों को ऑनलाइन शेयर करते हुए सनाया ने पोस्ट के साथ कैप्शन दिया, इस प्यारी सी प्यारी के साथ प्यार की सारी चीजें 6 महीने मुबारक 6 महीने की लीला।

9 मई को होगा प्राइम वीडियो की दिल छू लेने वाली ग्राम चिकित्सालय का प्रीमियर

भारत के सबसे पसंदीदा मनोरंजन डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो, ने आज अपनी आने वाली ओरिजिनल ड्रामा सीरीज ग्राम चिकित्सालय की रिलीज डेट की घोषणा की है, यह सीरीज 9 मई को प्रीमियर होगी। टीवीएफ (द वायरल फीवर) के बैनर तले बनी इस ओरिजिनल सीरीज को दीपक कुमार मिश्रा द्वारा रचित किया है, जबकि इसकी कहानी वैभव सुमन और श्रेया श्रीवास्तव ने लिखी है और निर्देशन राहुल पांडे ने किया है। पांच भागों वाली यह सीरीज एक महत्वाकांक्षी शहरी डॉक्टर डॉ. प्रभात की यात्रा पर आधारित है, जो एक दूरदराज के गांव में लगभग बंद पड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र को फिर से शुरू करने के लिए उसे सरकारी तंत्र की अड़चनों, स्थानीय लोगों की शंकाओं और छोटे कस्बे की अनोखी परेशानियों से जूझना पड़ता है। ग्राम चिकित्सालय में अमोल पाराशर और विनय पाठक मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, उनके साथ आकांक्षा रंजन कपूर, आनंदेश्वर द्विवेदी, आकाश मखीजा और गरिमा विक्रांत सिंह जैसे शानदार कलाकार भी अहम किरदार निभाते हुए दिखेंगे। यह सीरीज 9 मई से भारत समेत दुनिया भर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में केवल प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। प्राइम वीडियो इंडिया के कंटेंट लाइसेंसिंग निदेशक मनीष मेंघानी ने कहा,, ''प्राइम वीडियो में हमारा मिशन सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है – हम भारत की समृद्ध विविधता को उन कहानियों के जरिए पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो न सिर्फ हमारे स्थानीय रंगों का जश्न मनाते हैं बल्कि वैश्विक दर्शकों से भी जुड़ती हैं। ग्राम चिकित्सालय इस दृष्टिकोण को पूरी तरह दर्शाता है। यह सीरीज हास्य और सम्मोहक सामाजिक टिप्पणियों को एक साथ बहुत ही कुशलता से पिरोती है, तथा ग्रामीण भारत के हृदय में एक आदर्शवादी युवा डॉक्टर की कहानी कहती है। यह यात्रा दर्शकों को एक ऐसे अनुभव से रूबरू कराती है जो विशुद्ध रूप से भारतीय होते हुए भी मानवीय भावनाओं से सार्वभौमिक रूप से जुड़ा है। द वायरल फीवर (टीवीऍफ) के साथ हमारी सफल साझेदारी, जिसने लगातार पथ–प्रदर्शक कहानियां प्रस्तुत की हैं, को आगे बढ़ाते हुए हमें पूरा विश्वास है कि ग्राम चिकित्सालय अपनी गहराई से भरी कहानी, प्रतिभाशाली कलाकारों की टीम और ग्रामीण जीवन की जीवंत प्रस्तुति के साथ दर्शकों को पूरी तरह से आकर्षित करेगी।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण

अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने–जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता–पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना

अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एग्जाम में जाने से डरना

एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट

अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी व रिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना

बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डांसिंग, सिंगिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण

पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत
जी घबराना या उल्टी होना
सांस लेने में तकलीफ
ज्यादा पसीना आना

ऐसे पहचानें पेरेंट्स

पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार–बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने–जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नए–नए बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा से ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।

एक रात में ही केला पककर हो जाता है खराब तो इन तरीकों से करें स्टोर, कई दिन तक रहेगा फ्रेश

केला एक ऐसा फल है जिसे हर उम्र का व्यक्ति आसानी से खा सकता है। यह ना सिर्फ स्वादिष्ट होता है, बल्कि पौष्टिक तत्वों से भी भरपूर होता है। केले में पोटैशियम, फाइबर, विटामिन बी6, विटामिन सी और कार्बोहाइड्रेट अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ–साथ पाचन तंत्र, हृदय स्वास्थ्य और ब्लड प्रेशर को भी नियंत्रित रखने में मदद करता है। हालांकि, जितना यह फल स्वास्थ्य के लिए अच्छा है उतनी ही परेशानी इसे स्टोर करने में होती है। केला जल्दी पकता है और सही तरीके से स्टोर न किया जाए तो कुछ ही दिनों में गलकर सड़ जाता है। चलिए जानते हैं कैसे आप केलों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं।

केले को स्टोर करने से पहले क्या करें?

केले को साफ पानी से धो लें: केले के ऊपर अक्सर केमिकल या मोम की परत लगी होती है, जो जल्दी पकाने के लिए डाली जाती है। अगर आप इसे धो लें तो ये केमिकल हट जाते हैं और केले का पकना थोड़ा धीमा हो जाता है।

ताजा और हल्के हरे केले ही चुनें: बाजार से खरीदते समय कोशिश करें कि थोड़ा कच्चा (हल्का हरा) केला लें। इससे आपके पास उसे स्टोर करने के लिए ज्यादा समय होगा और वह धीरे–धीरे अपने आप घर पर पक जाएगा।

केले को सही तरीके से कैसे स्टोर करें?

केले को टांग कर रखें: केले को हमेशा हैंगिंग बनाना होल्डर या रस्सी पर टांग कर रखें। ऐसा करने से केले के नीचे वाला हिस्सा दबता नहीं है, जिससे वह जल्दी नहीं गलता।

अगर आपके पास बनाना हैंगर नहीं है, तो केले को किसी ऐसी जगह पर रखें जहां वे एक–दूसरे पर दबें नहीं।

रूम टेम्परेचर पर ही रखें: केले को कभी भी फ्रिज में न रखें जब तक वह पूरी तरह से पका न हो। केला फ्रिज में रखने से उसका छिलका काला पड़ जाता है और वह अपना स्वाद भी खो देता है। इसे ठंडी और हवादार जगह पर रखना बेहतर होता है, जहां सीधी धूप न पड़े।

केले की डंठल को प्लास्टिक या फॉइल से लपेटें: केले के ऊपरी हिस्से (डंठल) को क्लिंग रैप या एल्यूमिनियम फॉइल से अच्छी तरह लपेट दें। यह तरीका एथिलीन गैस को फैलने से रोकता है, जिससे केला धीरे पकता है और ज्यादा दिन तक ताजा रहता है।

ज्यादा पके केले को फ्रिज में रखें: अगर केला बहुत ज्यादा पका हुआ है और आप उसे अगले 2–3 दिन में ही खाना चाहते हैं, तो आप उसे फ्रिज में रख सकते हैं। इसका छिलका भले ही काला हो जाए, लेकिन अंदर का फल सुरक्षित और खाने लायक बना रहता है।

किन गलतियों से बचना चाहिए?

केले को दूसरे फलों के पास न रखेंरू केला एथिलीन गैस छोड़ता है, जो अन्य फलों को भी जल्दी पकने पर मजबूर करता है। इसलिए केले को सेब, आम, नाशपाती जैसे फलों से दूर रखें।

केले को प्लास्टिक बैग में बंद करके न रखें: अगर आप केले को प्लास्टिक बैग में बंद कर देंगे, तो अंदर गर्मी और नमी बढ़ेगी, जिससे केला जल्दी सड़ सकता है।

केले को कैसे बचाएं जब वह ज्यादा पक जाए?

अगर आपके घर में केला ज्यादा पक गया है और खाने लायक नहीं लग रहा, तो आप उसे फेंकने की बजाय इन तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

केले का शेक बनाएं

केला–ब्रेड केक या मफिन्स बनाएं

स्मूदी या ओट्स में मिलाकर खाएं

बच्चों के लिए केले की पूरी या पराठा बना सकते हैं

केला एक सेहतमंद और एनर्जी से भरपूर फल है, लेकिन इसे स्टोर करना थोड़ा जतपबाल हो सकता है। तो अगली बार जब आप केला खरीदें, तो उसे सही तरीके से स्टोर करें और स्वास्थ्य लाभों का भरपूर आनंद लें।

बार–बार सिर घूमना हो सकता है इस गंभीर समस्या का संकेत, जानें उपाय

सिर का घूमना और सिरदर्द दो अलग–अलग समस्याएँ हैं, लेकिन कई बार लोग इन्हें एक जैसा समझ लेते हैं। जब सिर में चक्कर जैसे महसूस होते हैं, तो यह सिरदर्द से बिलकुल अलग समस्या होती है। इसे वर्टिगो कहते हैं, और यह एक आम समस्या हो सकती है, लेकिन इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह कभी–कभी किसी गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है।

वर्टिगो क्या है?

वर्टिगो एक ऐसी स्थिति है जिसमें व्यक्ति को अचानक सिर घूमने जैसा महसूस होता है। यह अचानक किसी भी दिशा में घूमने पर हो सकता है, जिससे चक्कर आ जाते हैं। यह स्थिति सिर के अलावा कान से भी जुड़ी होती है।

क्यों होती है सिर का घूमना?

सिर का घूमना, जिसे हम वर्टिगो भी कहते हैं, कई कारणों से हो सकता है। इसके मुख्य कारणों में कान से जुड़ी बीमारियां, खड़े होने या बैठने के समय सिर का घूमना, या अचानक दिशा बदलने पर चक्कर आना शामिल हैं। यह स्थिति बहुत असुविधाजनक हो सकती है, और कुछ मामलों में यह रोजमर्रा की जिंदगी में समस्या उत्पन्न कर सकती है।

वर्टिगो का इलाज क्या है?

वर्टिगो का कोई विशेष मेडिकल इलाज नहीं है, लेकिन इसे कम करने के लिए कुछ एक्सरसाइज को अपनी दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है। यह एक्सरसाइज वर्टिगो में राहत देने में मदद कर सकती हैं।

पेंसिल की एक्सरसाइज: सबसे पहले एक पेंसिल लें और इसे अपनी आंखों के सामने सीधा रखें। अब पेंसिल को दाईं और बाईं ओर घुमाएं और अपनी आँखों को पेंसिल के साथ मूव करें। यह एक्सरसाइज आपके सिर के घुमाव को नियंत्रित करने में मदद करती है।

स्ट्रेट स्टेप एक्सरसाइज: इस एक्सरसाइज में आपको अपने पैरों को सीधा और एक लाइन में रखकर स्टेप बाय स्टेप आगे बढ़ाना है। कोशिश करें कि आप इसे बिना किसी सहारे के करें, ताकि शरीर का संतुलन बेहतर हो सके।

सिंपल स्टैंडिंग और लेग रेज एक्सरसाइज: एक जगह खड़े होकर सामने देखें और फिर एक–एक पैर को एक मिनट के गैप के साथ ऊपर–नीचे करें। यह एक्सरसाइज शरीर की स्थिरता और संतुलन को सुधारने में मदद करती है।

वर्टिगो से बचाव के उपाय

योग और ध्यान करें: योग और ध्यान आपके शरीर और मन को शांत रखते हैं, जो वर्टिगो को कम करने में मदद कर सकते हैं।

स्ट्रेस मैनेजमेंट: तनाव को कम करने के लिए तनाव प्रबंधन महत्वपूर्ण है। यह वर्टिगो की समस्या को नियंत्रित करने में सहायक हो सकता है।

शराब और सिगरेट से परहेज: शराब और सिगरेट वर्टिगो की स्थिति को और बढ़ा सकते हैं, इसलिए इनसे बचना चाहिए।

तेज लाइट्स से बचें: तेज रोशनी और चमकदार लाइट्स वर्टिगो को बढ़ा सकती हैं, इसलिए इनसे बचने की कोशिश करें।

डीप ब्रीदिंग: गहरी सांसें लेना और श्वास नियंत्रण वर्टिगो को कम करने में मदद करता है।

डिस्कलेमर: यदि आप सिर में चक्कर महसूस करते हैं, तो यह हो सकता है कि आपको वर्टिगो हो। इसके लिए उचित इलाज, एक्सरसाइज और बचाव के उपायों को अपनाना जरूरी है। यदि समस्या बढ़े तो चिकित्सक से परामर्श लें।

गर्मियों में सेहत के लिए वरदान से कम नहीं सत्तू का शरबत, नोट करें बिहारी स्टाइल रेसिपी

गर्मियों के मौसम में हम सभी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में शरीर को अंदर से ठंडा रखने और स्वस्थ रहने के लिए सत्तू के शरबत को पीने की सलाह दी जाती है। सत्तू हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है, यह तो आप सभी जानते होंगे। आप गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन कर सकते हैं। यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायत साबित हो सकता है। लेकिन क्या आपने कभी बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाया है। अगर नहीं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाने के रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

चने का सत्तू – आधा कप
पोदीना के पत्ते – 10
नीबू का रस– 2 चम्मच
हरी मिर्च – आधी
भुना जीरा – आधा छोटी चम्मच
काला नमक – स्वादानुसार या आधा छोटी चम्मच
नमक – एक चौथाई चम्मच या स्वादानुसार

ऐसे बनाएं सत्तू का शरबत

यह शरबत बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सत्तू लें और फिर इसमें थोड़ा–थोड़ा करके पानी मिलाते रहें। इसको तब तक घोलते रहें, जब तक इसके घोल में गांठ न बचें। अब इस मिक्सचर में आपको थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं और फिर भुना जीरा और काला नमक मिलाएं। यह दोनों चीजें इसके स्वाद को बढ़ाने का काम करता है। फिर बारीक कटी हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाएं। अंत में आपको इस मिक्सचर में ठंडा पानी मिलाना है। इस आसान तरीके से सत्तू का टेस्टी और हेल्दी सत्तू का शरबत बनकर तैयार हो जाएगा। बता दें कि अब आप गिलास में छानकर सत्तू के शरबत को सर्व कर सकती हैं। अधिक ठंडा बनाने के लिए आप चाहें तो इसके कुछ बर्फ के टुकड़े एड कर सकते हैं। गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन करने से स्वास्थ्य पर पॉजिटव असर देखने को मिलेगा और यह गर्मियों में आपके शरीर को अंदर से ठंडा बनाता है। बॉडी के हाइड्रेशन से लेकर एनर्जी तक और इम्यूनिटी से लेकर स्टैमिना तक के लिए सत्तू का शरबत फायदेमंद माना जाता है।

संक्षिप्त

इंडसइंड बैंक के डिप्टी सीईओ का इस्तीफा, 1960 करोड़ की अकाउंटिंग गड़बड़ी सामने आने के बाद फैसला

नई दिल्ली/मुंबई। इंडसइंड बैंक के डिप्टी सीईओ अरुण खुराना ने लेखा संबंधी चूक सामने आने के बाद इस्तीफा दे दिया है। वे बैंक के ट्रेजरी फ्रंट ऑफिस का कामकाज देख रहे थे। उनका इस्तीफा मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष में बैंक को 1,960 करोड़ रुपये का नुकसान होने के बाद आया है। खुराना ने सोमवार को बैंक के बोर्ड को भेजे अपने त्यागपत्र में कहा, ष्हाल के दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रमों को ध्यान में रखते हुए, जिसमें बैंक ने आंतरिक डेरिवेटिव ट्रेडों के लिए गलत लेखांकन के कारण कंपनी के खातों पर गलत असर पड़ने की बात कही है गई है, मैं ट्रेजरी फ्रंट ऑफिस के कामकाज, पूर्णकालिक निदेशक, उप सीईओ और बैंक के वरिष्ठ प्रबंधन के एक हिस्से के रूप में, तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे रहा हूं। इंडसइंड बैंक ने सोमवार शाम स्टॉक एक्सचेंज को दी गई सूचना में कहा कि खुराना का इस्तीफा 28 अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगा। इससे पहले, निजी क्षेत्र के ऋणदाता ने सूचित किया था कि बैंक की ओर से नियुक्त बाहरी लेखा परीक्षक ने 31 मार्च तक पीएंडएल (प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट) पर 1,959.98 करोड़ रुपये का नुकसान होने की बात कही है। इसी राशि का खुलासा 15 अप्रैल को भी किया गया था। खुराना ने अपने इस्तीफे में कहा है, अंत में, मैं इस अवसर पर बोर्ड को धन्यवाद देना चाहता हूं और सराहना करता हूं कि उन्होंने बैंक में मेरे करियर के दौरान मुझ पर विश्वास किया और मुझे जिम्मेदारियां सौंपी तथा मैं बैंक को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। 15 अप्रैल को इंडसइंड बैंक ने एक अन्य बाहरी एजेंसी की आधार रिपोर्ट का खुलासा किया कि डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन चूक से उसके निवल मूल्य पर 1,979 करोड़ रुपये का नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बैंक ने डेरिवेटिव सौदों से संबंधित विसंगतियों के कारण दिसंबर 2024 तक अपनी निवल संपत्ति पर 2.27 प्रतिशत का प्रतिकूल प्रभाव (कर–पश्चात आधार पर) का आकलन किया है। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने पिछले महीने डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में लेखांकन चूक की सूचना दी थी। इसका दिसंबर 2024 तक बैंक की नेटवर्थ पर लगभग 2.35 प्रतिशत प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का अनुमान है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी आया उछाल, सेंसेक्स–निफ्टी में तेजी

एशियाई शेयर बाजार में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है। इसी बीच भारतीय स्टॉक मार्केट में कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन भी तेजी देखने को मिली है। बाजार खुलने के साथ ही सुबह 9.20 मिनट पर सेंसेक्स 300 अंक ऊपर उठा है। इससे पहले निफ्टी में भी बढ़ोतरी देखने को मिली थी। सोमवार को भी सेंसेक्स 1005.88 अंक ऊपर उठा था। इसमें 1.27 फीसदी की बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स इस दौरान 80,218.37 पर बंद हुआ है। वहीं निफ्टी 50 में तेजी देखने को मिली है। निफ्टी 50 भी 289 अंक बढ़ कर 1.20 फीसदी ऊपर चढ़ा है। निफ्टी 50 भी 24,328.50 पर बंद हुआ है। सेंसेक्स 296.24 अंक ऊपर चढ़ा है और 80,514.61 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में 0.39 फीसदी की गिरावट देखी गई है। इसके बाद निफ्टी 24,422.25 के स्तर पर पहुंच गया है। एशियाई बाजार में भी शेयर मार्केट मिला जुला कारोबार कर रहा है। वहीं एक दिन पहले भी अमेरिका के शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिली है। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, पावर ग्रिड और बजाज फाइनेंस के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की 225, और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहे। चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार सोमवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 65.33 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 2,474.10 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

द्विपक्षीय व्यापार को लेकर अमेरिकी वित्त मंत्री का एलान, कहा– पहला समझौता भारत के साथ होगा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी टैरिफ को लेकर भारत–अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय व्यापार वार्ता रंग ला रही है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एलान किया जवाबी टैरिफ के बाद अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने वाला पहला देश भारत होगा। एक कार्यक्रम में बेसेंट ने राष्ट्रपति ट्रंप की अन्य देशों के साथ चल रही व्यापार वार्ता की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारी एशियाई व्यापारिक साझेदारों के साथ बहुत अच्छी बातचीत चल रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पिछले सप्ताह भारत में थे और उन्होंने समझौते के बारे में बात की थी। कोरिया गणराज्य के साथ बातचीत बहुत अच्छी रही है। मुझे लगता है कि हमने अपने जापानी सहयोगियों के साथ भी ठोस बातचीत की है। बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप की इस घोषणा के बाद कि वे सभी पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू रखेंगे, लेकिन व्यक्तिगत व्यापारिक साझेदारों पर अधिक आक्रामक शुल्क लगाने पर 90 दिनों की रोक लगाएंगे, अमेरिका ने वार्ता में प्रगति की है। उन्होंने आने वाले दिनों में संभावित सौदे के लिए भारत का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कई देश आगे आए हैं और उन्होंने बहुत अच्छे प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। हम उनका मूल्यांकन कर रहे हैं। मेरा अनुमान है कि भारत ऐसा देश होगा, जिसके साथ हम पहले व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। इसलिए इस पर नजर रखें। अमेरिकी विदेश मंत्री बेसेंट ने व्यापार समझौते तक पहुंचने की जिम्मेदारी भी चीन पर डाली। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि तनाव कम करना चीन पर निर्भर है, क्योंकि हम जितना चीन को बेचते हैं, उससे पांच गुना अधिक वे हमें बेचते हैं। इसलिए ये 120 प्रतिशत, 145 प्रतिशत टैरिफ टिकाऊ नहीं हैं।

पहली गेंद पर छक्का लगाना मेरे लिए आम बात, बोले IPL के सबसे युवा शतकवीर वैभव

जयपुर। आईपीएल 2025 में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने पूरी दुनिया को अपना कायल बना दिया। बिहार के इस खिलाड़ी ने 35 गेंद पर शतक लगाकर कई रिकॉर्ड ध्वस्त किए। उन्होंने 38 गेंदों में 11 छक्कों और सात चौकों की मदद से 101 रन की पारी खेलकर टी20 क्रिकेट में अब तक के सबसे कम उम्र के शतकवीर बनकर आईपीएल में धूम मचा दी। अब पूरा क्रिकेट जगत उनके साहसी स्ट्रोकप्ले का कायल हो गया है। हालांकि, वैभव का कहना है कि पहली गेंद पर छक्का लगाना उनके लिए आम बात है। वैभव ने कहा कि गंभीर परिस्थितियों का उन पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ता है।

पहली गेंद पर छक्का लगाना आम बात

वैभव का यह आईपीएल में केवल तीसरा मैच था। उन्होंने लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ आईपीएल में अपने पहले मैच में 20 गेंद पर 34 रन बनाए थे और अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने पहली गेंद पर छक्का लगाया था। वैभव ने यह छक्का शार्दुल ठाकुर की गेंद पर लगाया था। वहीं, शतक पूरा करने के लिए वैभव ने अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान की गेंद पर छक्का लगाया। गुजरात टाइटंस के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाने के बाद वैभव ने आईपीएल टी20 वेबसाइट से बात करते हुए कहा, श्यह मेरे लिए सामान्य बात थी। मैं भारत के लिए अंडर–19 और घरेलू स्तर पर भी खेला हूं। वहां भी मैंने पहली गेंद पर छक्के लगाए हैं। मुझ पर पहली 10 गेंदों को खेलने का दबाव नहीं था। मेरे दिमाग में स्पष्ट था कि अगर गेंद मेरी जद में आएगी, तो मैं उसे मारूंगा।

मां तीन घंटे सो पाती हैं

वैभव ने कहा, ऐसा नहीं था कि मैं सोच रहा था कि यह मेरा पहला मैच है। हां एक अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज मेरे सामने था और मंच बड़ा था, लेकिन मैंने केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित किया। बिहार के समस्तीपुर के इस युवा खिलाड़ी का जन्म आईपीएल शुरू होने के ठीक तीन साल बाद हुआ था। सूर्यवंशी ने इस मुकाम तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाने वाले अपने पिता संजीव और मां आरती का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं आज जो कुछ भी हूं अपने माता–पिता की वजह से हूं। मेरे इस स्तर तक पहुंचने में उनका बहुत योगदान है। मेरी मां मेरे अभ्यास सत्र की वजह से रात 11 बजे सो पाती हैं और सुबह तीन बजे उठ जाती हैं। इस तरह से वह मुश्किल से तीन घंटे सो पाती हैं।

पिता ने हमेशा मेरा समर्थन किया

वैभव ने कहा, मेरे पिता ने मेरे लिए अपना काम छोड़ दिया। मेरा बड़ा भाई काम संभाल रहा है और घर बड़ी मुश्किल से चल रहा है, लेकिन पापा मेरा समर्थन कर रहे हैं। भगवान यह सुनिश्चित करते हैं कि जो लोग कड़ी मेहनत करते हैं वे कभी असफल न हों। जो परिणाम हम देख रहे हैं और जो सफलता मैं हासिल कर रहा हूं वह मेरे माता–पिता के कारण है। 14 साल के वैभव सुर्खियों में आने के बावजूद अपने खेल पर ध्यान केंद्रित रखना चाहते हैं और उनका लक्ष्य लंबे समय तक भारत की तरफ से खेलना है। उन्होंने कहा, मैं भारत की तरफ से खेलना चाहता हूं और इसके लिए मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी। मैं उस स्तर तक पहुंचने तक कड़ी मेहनत करना बंद नहीं कर सकता। मैं देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करूंगा।

वैभव की रॉयल पारी, राजस्थान ने टी20 में सबसे तेजी से चेज किया 200+ रन का लक्ष्य, प्लेऑफ की आस बरकरार

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार शतकीय पारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को आठ विकेट से हरा दिया। सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए आईपीएल के 47वें मैच में गुजरात ने शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में चार विकेट खोकर 209 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 15.5 में दो विकेट खोकर 212 रन बनाए और 25 गेंदों के शेष रहते मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसी के साथ राजस्थान ने प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखा है। राजस्थान ने इस मुकाबले को जीतने के साथ–साथ बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। टीम ने टी20 में सबसे तेजी से हासिल किया 200+ का लक्ष्य हासिल कर लिया। राजस्थान अंक तालिका में एक स्थान की छलांग लगाकर आठवें पायदान पर आ गई। उनके खाते में छह अंक हो गए और नेट रन रेट –0.349 का हो गया है। वहीं, गुजरात एक स्थान खिसक कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, मुंबई को गुजरात की हार से तगड़ा फायदा हुआ है। हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम अंक तालिका में बेहतर नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर पहुंच गई। वहीं, आरसीबी 14 अंकों के साथ शीर्ष पर है।

यशस्वी के साथ की राजस्थान के सबसे बड़ी साझेदारी

गुजरात ने राजस्थान के सामने जीत के लिए 210 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन वैभव और यशस्वी जायसवाल ने राजस्थान को तेज शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 166 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को प्रसिद्ध कृष्णा ने वैभव को आउट कर तोड़ा। यह राजस्थान के लिए किसी भी विकेट के लिए की गई सबसे बड़ी साझेदारी है। वैभव और यशस्वी ने इस मामले में जोस बटलर और देवदत्त पडिक्कल को पीछे छोड़ा जिन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 2022 में 155 रनों की साझेदारी की थी।

आईपीएल 2025 में एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

वैभव ने गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए 11 छक्के लगाए जो आईपीएल 2025 में किसी बल्लेबाज का एक पारी में सर्वाधिक छक्के हैं। वैभव ने इस मामले में सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा जिन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ 10 छक्के लगाए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर हैं जिन्होंने गुजरात के खिलाफ नौ छक्के लगाए थे।

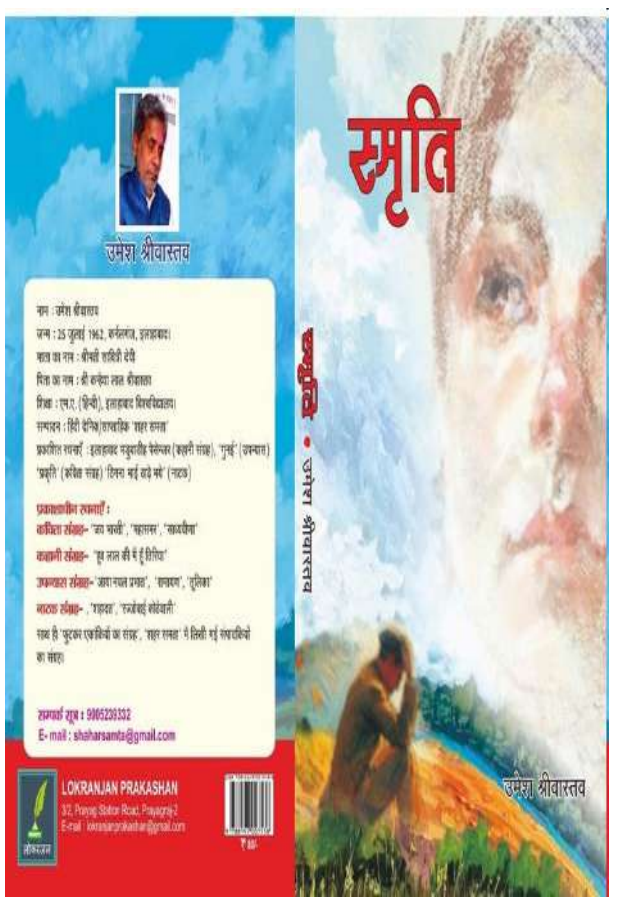

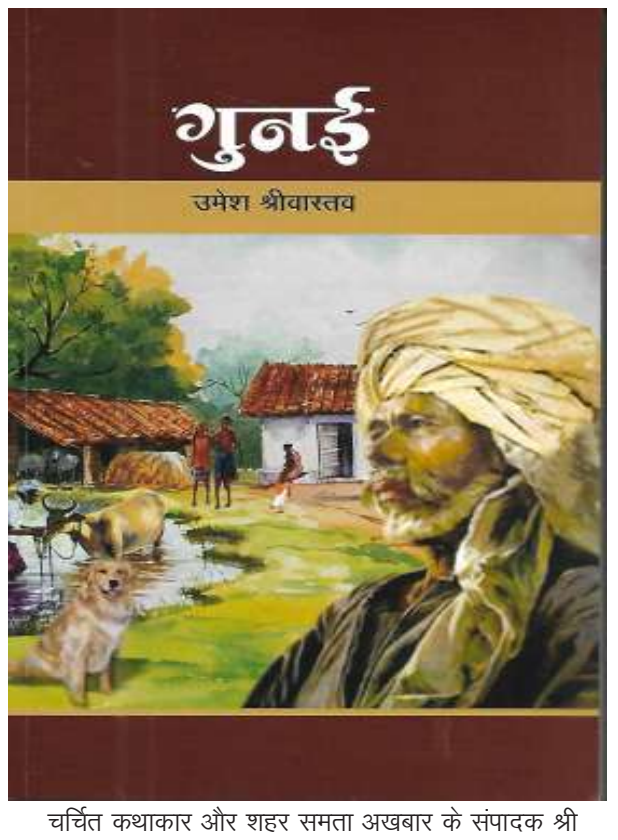

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

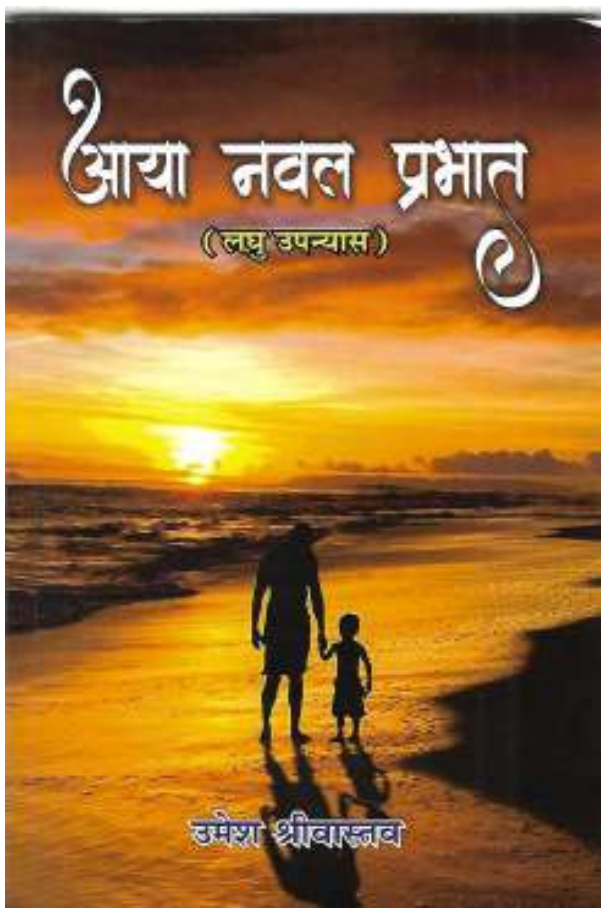

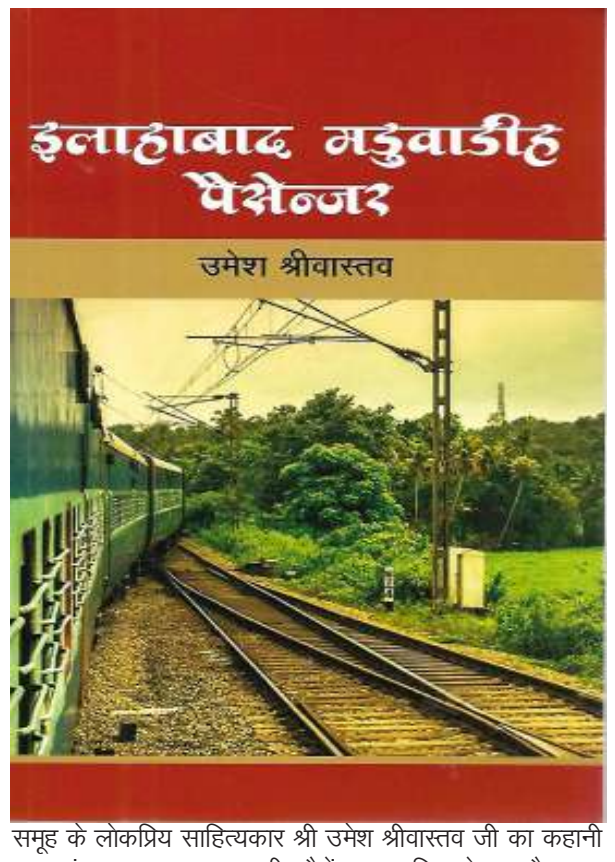

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

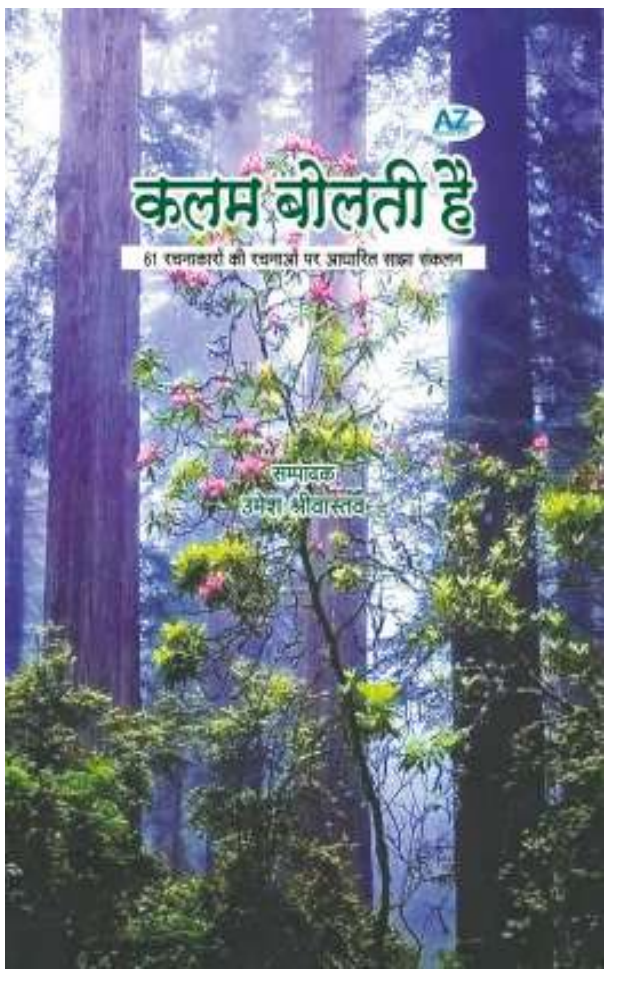

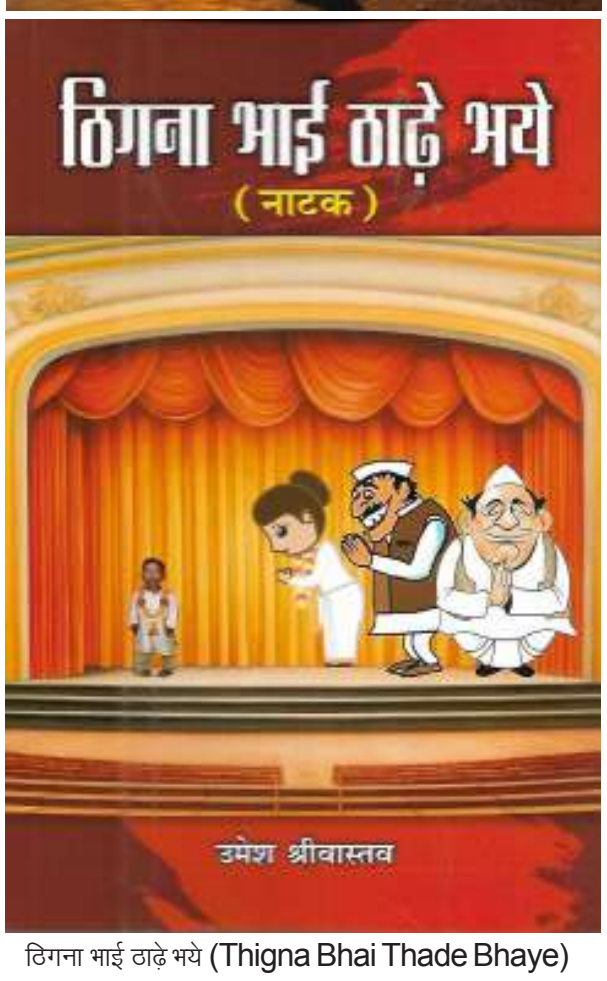

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

यूरोप में ब्लैकआउट, साइबर अटैक की भी आशंका

स्पेन और पुर्तगाल के अधिकांश हिस्सों में बिजली कटौती के कारण हज़ारों रेल यात्री फंस गए, उड़ानें रद्द कर दी गईं और अस्पतालों को नियमित सेवाएँ बंद करनी पड़ीं। स्पेन के बिजली ऑपरेटर आरईई के अनुसार लगभग 82 प्रतिशत बिजली वापस आ गई है। पुर्तगाल में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास फिर से बिजली आने की सूचना है। स्पेन ने आपातकाल की स्थिति की घोषणा की है, जिसे यूरोप की सबसे बड़ी बिजली

विफलता कहा जा रहा है। बिजली गुल होने से लाइटें और प्लग पॉइंट बंद हो गए और मेट्रो सिस्टम में अचानक खराबी आ गई। मैड्रिड में सिग्नल काम करना बंद कर देने से यातायात ठप्प हो गया। अधिकारी अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि बिजली ग्रिड के अचानक ध्वस्त होने का कारण क्या था। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने राष्ट्र को संबोधित किया और कहा कि राष्ट्र में सबकुछ ठप पड़ जाने के लगभग 11 घंटे बाद भी सरकारी विशेषज्ञ अब भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर हुआ क्या था। उन्होंने बताया कि स्पेन के पावर ग्रिड में मात्र पांच सेकंड में 15 गीगावाट बिजली का नुकसान हुआ, जो उसकी राष्ट्रीय मांग के 60 प्रतिशत के बराबर है। स्पेन के बिजली वितरक 'रेड इलेक्ट्रा' के परिचालन प्रमुख एडुआर्डो प्रीटो ने कहा कि इस तरह की घटना असाधारण एवं अभूतपूर्व थी। स्पेनिश अधिकारियों ने कहा है कि अब तक ब्लैकआउट के पीछे साइबर अटैक से इनकार नहीं किया जा सकता। इसकी गहन जांच की जा रही है। यूरोप में इससे पहले भी छोटी–छोटी तकनीकी गड़बड़ियों से बड़े ब्लैकआउट हुए हैं। साल 2003 में स्विट्जरलैंड में एक पेड़ से बिजली लाइन कटने के बाद पूरा इटली अंधेरे में डूब गया था। इसलिए इस बार भी तकनीकी समस्या या साइबर हमला दोनों ही संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

मार्क कार्नी की जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा– आपके साथ काम करने को उत्सुक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कनाडा के आम चुनाव में जीत के लिए मार्क कार्नी को बधाई दी और कहा कि वह अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में आपके चुनाव पर मार्क कार्नी और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। मैं हमारी साझेदारी को मजबूत करने और हमारे लोगों के लिए अधिक से अधिक अवसरों को खोलने के लिए आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सुबह 3:15 बजे (ओटावा समय) तक मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी के उम्मीदवार 167 सीटों पर आगे चल रहे थे या चुने जा चुके थे, जबकि कंजर्वेटिव पार्टी की 145 सीटें आगे थीं। लिबरल पार्टी के पास राष्ट्रीय वोट का लगभग 43 प्रतिशत था, लेकिन 343 सदस्यीय हाउस ऑफ कॉमन्स में बहुमत के लिए आवश्यक 172 सीटों से पीछे रह सकते हैं। बहुमत से पीछे रहने का मतलब होगा कि कार्नी की सरकार को बजट और अन्य कानून पारित करने के लिए अन्य पार्टियों के साथ मिलकर काम करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। मार्क कार्नी के चुनाव से ओटावा के नई दिल्ली के साथ संबंधों में सुधार आने की उम्मीद है, जो पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार द्वारा खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर, एक कनाडाई नागरिक की हत्या में भारतीय एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाने के बाद नए निम्न स्तर पर पहुंच गए थे। लिबरल नेता, एक अर्थशास्त्री और बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ कनाडा दोनों के पूर्व गवर्नर ने संकेत दिया कि अगर वह सत्ता में वापस आते हैं तो वह नई दिल्ली के साथ संबंधों को फिर से स्थापित कर सकते हैं।

बस आर्मी ड्रेस प्रेस करने का टाइम चाहिए, 40 लाख रिटायर सैनिक भारत से युद्ध को तैयार, पाकिस्तानी पत्रकार का दावा

पहलगाम में हुए हमले के बाद पाकिस्तान के मीडिया में एक अजीबोगरीब कहानी चल रही है। ये कहानी वरिष्ठ पत्रकार जावेद चौधरी के दावे के बाद चर्चा में है। चौधरी ने हाल ही में घोषणा की कि पाकिस्तान ने तुरंत 40 लाख सेवानिवृत्त सैन्यकर्मियों को तैनात कर दिया है, जो अपनी वर्दी पहनकर देश की रक्षा के लिए तैयार हैं। चौधरी के अनुसार, इन दिग्गजों को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी वर्दी प्रेस करें और अपने हथियारों में तेल डालें, और कार्रवाई के लिए तैयार रहें। रातों–रात इतने बड़े पैमाने पर लामबंदी का समन्वय करने की विशुद्ध रसद गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के योग्य उपलब्धि होगी। फिर भी, यह दावा भौंहें चढ़ाता है, खासकर पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान की ओर से आधिकारिक पुष्टि की कमी को देखते हुए। ऐतिहासिक रूप से पाकिस्तान ने राष्ट्रीय मनोबल को बढ़ाने और संभावित खतरों को रोकने के लिए इस तरह की रणनीति अपनाई है। वर्तमान बयानबाजी देश की तैयारियों के बारे में घरेलू दर्शकों को आश्वस्त करने के लिए डिज़ाइन की गई लगती है, भले ही व्यावहारिकता संदिग्ध बनी रहे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227

पड़ोसी देश होने के नाते...भारत–पाक तनाव के बीच चीन के बयान ने मचाया तहलका

भारत पाकिस्तान के बीच टेंशन वाले माहौल के बीच चीन का बड़ा बयान सामने आया है। चीन ने आतंकी हमले की निंदा की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने बयान जारी करते हुए कहा है कि चीन ने भारत पाकिस्तान से संयम की अपील की है। पड़ोसी देश होने के नाते दोनों देश संयम बरतेंगे। चीन ने संवाद से मसले को सुलझाने पर जोर दिया। इसके साथ ही चीन ने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता को संयुक्त तौर से बनाए रखा जाए। 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे और यह 2000 के बाद से ये सबसे घातक सशस्त्र हमलों में से एक था। चीन ने अपने करीबी

सहयोगी पाकिस्तान को उसकी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा करने में सहयोग दिया। विदेश मंत्री वांग यी ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद से संयम बरतने का आह्वान किया। गुओ ने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों का पड़ोसी होने के नाते चीन को उम्मीद है कि दोनों देश संयम बरतेंगे एवं एक ही दिशा में काम करेंगे, प्रासंगिक मतभेदों को बातचीत के माध्यम से उचित तरीके से सुलझाएंगे तथा क्षेत्र में शांति और स्थिरता को संयुक्त रूप से बनाये रखेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही दक्षिण एशिया के महत्वपूर्ण देश हैं तथा इन दोनों देशों के बीच शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व क्षेत्र की शांति और विकास के लिए महत्वपूर्ण है। सरकारी अखबार 'ग्लोबल टाइम्स' की खबर है कि वांग ने अनुरोध करने पर डार के साथ फोन पर बातचीत की थी। डार ने वांग (जो चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य भी हैं) को कश्मीर क्षेत्र में आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़े तनाव के बारे में जानकारी दी। वांग ने इस बातचीत के दौरान कहा कि चीन इस घटनाक्रम पर करीबी नजर रख रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद से मुकाबला करना पूरी दुनिया की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान के प्रयासों के प्रति चीन के निरंतर समर्थन की पुष्टि की। वांग के हवाले से इस खबर में कहा गया, एक मजबूत मित्र एवं सदाबहार रणनीतिक सहयोगी के रूप में चीन सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की जायज चिंताओं को पूरी तरह समझता है तथा पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा हितों की रक्षा करने में उसका समर्थन करता है।

कश्मीर हमले में हुई नाटो की एंट्री, अपना सबसे खूंखार रॉकेट भारत भेज दिया

सर्जिकल स्ट्राइक में लॉन्च पैड को ध्वस्त करने वाले मॉडल का है एडवांस वर्जन

भारत पाकिस्तान के बढ़ते तनाव के बीच एक और सामरिक फायदा भारत को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मायनों में तिरस्कार ही प्राप्त हो रही है। स्वीडन से आई 84 एंटी आर्मर सिस्टम की डिलीवरी ने हमारी स्ट्राइक क्षमता को चार चांद लगा दिए हैं। स्वीडन की डिफेंस कंपनी साब ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि उसने अपने एडवांस एटी4 एंटी आर्मर सिस्टम की पहली खेप भारतीय सशस्त्र बलों को डिलीवर कर दिया है। सैब इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर मैट्स पाल्मबर्ग ने कहा कि हमें भारतीय सशस्त्र बलों को हमारे एटी4 एंटी–आर्मर हथियार प्रणाली की सफल डिलीवरी की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। प्रतिस्पर्धी मूल्यांकन के माध्यम से चयनित, एटी4 कम दूरी की लड़ाई के लिए एक भरोसेमंद सिंगल–शॉट समाधान के रूप में भारत के शस्त्रागार में शामिल हो गया है। भारत ने टी4 सीएस ेज वैरिएंट खरीदा है, जिसे विशेष रूप से सीमित स्थान संचालन के लिए डिज़ाइन

किया गया है – जिसमें इमारतों, बंकरों और अन्य शहरी वातावरणों के भीतर से उपयोग शामिल है। यह एक मील का पत्थर है क्योंकि भारतीय सशस्त्र बल, जो हमारे कार्ल–गुस्ताफ सिस्टम के लंबे समय से उपयोगकर्ता हैं, हमारे ।ज्4 हथियार प्रणाली पर भी अपना भरोसा बढ़ाते हैं।इसका मतलब अब पैरा फोर्सेज के पास एक हल्का और डिस्पोजेबल सिंगल शॉट समाधान होगा, जो विशेषकर शॉट रेंज कॉम्बैट में बेहद प्रभावी साबित होगा। बता दें कि 2016 को भारतीय सेना के पैरा स्पेशल फोर्सेज ने पीओके में घुसकर आतंकियों के छह लॉन्च पैड तबाह किए थे। उस ऑपरेशन में भारतीय सेना के पैरा कमांडो कार्ल गुस्टाफ को अपने कंधे पर लादकर ही पीओके दाखिल हुए थे। कॉल–गुस्टाफ से ही पैरा–एसएफ कमांडो ने आंतकियों के लॉन्च पैड्स और पाकिस्तानी सेना की उन चौकियों को तबाह किया था, जहां से आतंकियों की घुसपैठ कराने में मदद की जाती थी। इंडियन डीजीएमओ ने कहा था कि ये इन प्रिमटिव सेल्फ डिफेंस अटैक था। अब उसी मिशन के विकास क्रम में एचटी 4 आया गया है जो पीओके जैसे सिमित और शहरी परिवेश में और भी असरदार रहेगा। इससे पहले, साब ने 20 जनवरी, 2022 को घोषणा की थी कि उसे भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना को एटी4, 84 मिमी सिंगल–शॉट हथियार की आपूर्ति के लिए अनुबंध दिया गया है। यह अनुबंध प्रतिस्पर्धी खरीद प्रक्रिया के बाद दिया गया था। इस ऑर्डर में शहरी युद्ध के लिए एक वैरिएंट, ।ज्4ै ेज (एंटी–स्ट्रक्चर टैंडेम वारहेड) शामिल था। इसे इमारतों और बंकरों जैसे सीमित स्थानों के अंदर से दागा जा सकता है ताकि पैदल सेना या आतंकवाद विरोधी बलों को विनाशकारी मारक क्षमता प्रदान की जा सके। एटी–4 एक एंटी–आर्मर वेपन है, जिसका इस्तेमाल दुश्मन के बंकर तबाह करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसका वजन 7.5 किलोग्राम तक होता है और एक ही गोली के बाद इन्हें नष्ट किया जा सकता है। इस रिकॉइललेस हथियार को एक ही सैनिक द्वारा संचालित किया जाता है। शॉर्ट रेंज कॉम्बैट के लिए एक विश्वसनीय सिंगल–शॉट समाधान के रूप में कार्य करता है। कार्ल गुस्टाफ के मुकाबले एटी–4 बेहद हल्का रॉकेट लॉन्चर है। ऐसे में सैनिकों को कंधे से दागने में आसानी होगी। साथ ही सीमा पर दुश्मन के बंकर तक पैदल चलकर ले जाने में खासी दिक्कत नहीं आएगी।

अपने लफड़े में हमें मत फंसाओ, पाकिस्तान को हथियार देने से पलट गया तुर्की

भारत के एक्शन से बौखलाया पाकिस्तान इस वक्त जो मन में आया बोल रहा है। चीन और तुर्की का हवाला देते हुए पाकिस्तान अपनी शक्ति का प्रदर्शन लगातार कर रहा था। लेकिन इसी बीच तुर्की से ये बर्दाश्त नहीं हुआ कि पाकिस्तान उसके नाम पर सबसे बड़ा झूठ पूरी दुनिया को पड़ोस रहा है। पाकिस्तान का दावा था कि तुर्की के चार 130 सी हरक्युलस कराची और इस्लामाबाद में उतरे हैं। ये खबर जैसे ही पूरी दुनिया में फैली, वैसे ही तुर्की जवाब के लिए सामने आ गया। तुर्की ने साफ किया कि पाकिस्तान

झूठ बोल रहा है। पाकिस्तान के झूठ की पोल खुद उसके दोस्त तुर्की ने खोल दी। तुर्की ने साफ किया कि पाकिस्तान में उसका कोई भी सी 130 हरक्युलस हथियारों के साथ नहीं उतरा है। बल्कि एक सी 130 हरक्युलस पाकिस्तान पहुंचा भी लेकिन वो सिर्फ उसके फाइटर जेट्स में तेल भरने के लिए। यानी पाकिस्तान तेल की कमी से जूझ रहा है। ये साफ हो गया और साथ ही ये भी साफ हो गया कि तुर्की के नाम पर पाकिस्तान कैसे झूठ बोल रहा है। भारत पाकिस्तान में तनाव के बाद तुर्की का हथियारों को लेकर स्पष्ट तौर पर साफ जवाब आ गया है। तुर्की ने ये साफ बता दिया है कि पाकिस्तान कैसे झूठ बोल रहा था। दरअसल, पाकिस्तान ने दावा किया था कि तुर्की ने उसके लिए गोला बारूद भेजा है। ये खबर आई थी कि तुर्की वायु सेना का सी–130 हरक्यूलिस सैन्य परिवहन विमान रविवार को कराची पहुंचा, जिसमें लड़ाकू उपकरण थे। पाकिस्तान की तरफ से ये खबर फैलाई गई कि कराची के अलावा, छह तुर्की सी–130 विमान कथित तौर पर इस्लामाबाद में एक सैन्य अड्डे पर उतरे हैं। इसके साथ ही ये मैसेज देने की कोशिश की गई कि तुर्की ने इस्लामाबाद को अपना समर्थन दिया है। लेकिन अब तुर्की ने ये साफ कर दिया कि उसका विमान पाकिस्तान में हथियार सप्लाई करने के उद्देश्य से नहीं रुका था। तुर्की के राष्ट्रपति के संचार निदेशालय ने स्पष्ट किया कि विमान केवल तेल भरने के लिए पाकिस्तान में उतरा था और इसका कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था। बता दें कि 28 अप्रैल को अरब सागर के ऊपर उड़ान भरते हुए सी–130 हरक्लुलस विमान देखा गया था। बाद में पाकिस्तान से खबरें आई कि कराची और इस्लामाबाद में तुर्की के विमान उतरे हैं। इसके बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। बाद में तुर्की को बयान जारी कर बताना पड़ा की पाकिस्तान झूठ बोल रहा है। तुर्की पाकिस्तान को किसी किस्म की सैन्य मदद नहीं दे राह है। भारत के खिलाफ जंग में पाकिस्तान को किसी भी किस्म की कोई सैन्य सहायता मुहैया नहीं कराई गई है। पाकिस्तान निश्चित तौर पर यहां झूठ बोल रहा था। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी बेकसूर पर्यटकों को मार रहे थे दूसरी तरफ शहबाज शरीफ अपने दोस्त एर्दोगन से मिलने के लिए पहुंचे थे। ट्वीट करके उन्होंने बकायदा जानकारी दी। तुर्किये में अपने दोस्त से मुलाकात करने के बाद शहबाज़ शरीफ ने ट्वीट करते हुए कहा कि आज अंकारा में अपने प्रिय भाई, राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से मिलकर बहुत खुशी हुई। तुर्की को निरंतर प्रगति और समृद्धि के मार्ग पर ले जाने में उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता की सराहना की। हमने फरवरी में महामहिम की पाकिस्तान की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों के तेजी से कार्यान्वयन की समीक्षा की। हम व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा और लोगों के बीच आदान–प्रदान में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।व्यापक पाकिस्तान–तुर्की रणनीतिक साझेदारी का दायरा और ताकत बढ़ती रहेगी, इंशाअल्लाह!

पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई में तालिबान देगा भारत का साथ!

भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अफगानिस्तान में राज कर रहे तालिबान ने भारत को अपना समर्थन दे दिया है जोकि पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्ते तनावपूर्ण दौर में हैं और इसी के चलते तालिबान ने कुछ समय पहले 1971 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान की पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण वाली चर्चित तस्वीर ट्वीट करके इस्लामाबाद को संदेश दिया था कि यदि उसने कोई हिमाकत की तो 1971 की उस प्रचंड जीत को अफगानिस्तान भी दोहरायेगा। हम आपको बता दें कि भारत के एक शीर्ष राजनयिक ने तालिबान शासित अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मुलाकात की जिसमें दोनों देशों के बीच सहयोग के नये मुद्दों पर बात बनी है। भारतीय विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान प्रभाग के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश ने तालिबान सरकार के विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा द्विपक्षीय राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने एवं व्यापार और पारगमन सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों ने हाल के क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर भी विचार–विमर्श किया। अफगान विदेश मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, मुत्ताकी ने अफगानिस्तान और भारत के बीच राजनयिक एवं आर्थिक संबंधों के विस्तार के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों के आवागमन को सुगम बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया और व्यापारियों, रोगियों और छात्रों के लिए वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सामान्य बनाने का आह्वान किया। वहीं आनंद प्रकाश ने अफगानिस्तान के साथ संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता दोहरायी तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा बनाने की आशा व्यक्त की। उन्होंने अफगानिस्तान को अपनी सहायता जारी रखने की भारत की मंशा दोहराई और पहले से रुकी हुई पहलों को फिर से शुरू करने समेत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में निवेश करने में भारत की रुचि से अवगत कराया। विज्ञप्ति में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय जुड़ाव बढ़ाने, वीजा प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, प्रतिनिधिमंडलों के आदान–प्रदान को बढ़ावा देने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। हम आपको बता दें कि यह बैठक जनवरी में दुबई में विदेश सचिव विक्रम मिसरी की मुत्ताकी से मुलाकात के कुछ महीने बाद हुई। इस बैठक को भारत के उन प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है जिसके तहत सरकार पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद के समर्थन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय जनमत जुटाने का प्रयास कर रही है। बताया जा रहा है कि सरकार ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन को भी 22 अप्रैल को पहलगाम हमले में इस साझा पड़ोसी की संलिप्तता के बारे में जानकारी दी। तालिबान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मौलवी आमिर खान मुत्ताकी ने भारतीय विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव आनंद प्रकाश के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और दोषियों को दंडित करने की आवश्यकता पर बल दिया। हम आपको बता दें कि अगस्त 2021 में तालिबान के काबुल पर नियंत्रण के बाद पैदा हुई आशंकाओं के विपरीत, हाल के समय में भारत और तालिबान प्रशासन के बीच संबंधों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उस समय आशंका थी कि तालिबान आईएसआई द्वारा संचालित एक प्रॉक्सी सरकार की तरह काम करेगा। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान और तालिबान के संबंधों में लगातार गिरावट देखी गई है, जिसका मुख्य कारण पाकिस्तान तालिबान की गतिविधियां रही हैं। बताया जा रहा है कि मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान को वह ष्रणनीतिक सहयोगष् देने की संभावना बेहद कम है, जिसकी पाकिस्तान ने हमेशा भारत के साथ सैन्य संघर्ष की स्थिति में तलाश की थी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।